दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | भोपाल, शुक्रवार 20 नवम्बर 2020, कार्तिक शुक्ल पक्ष-षष्ठी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-191 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20 | मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

राजधानी में गुरुवार को बुधवार से दोगुने मरीज मिले, ये मरीज भोपाल के हर हिस्से से हैं

कोरोना विस्फोट: भोपाल में दूसरी लहर; रिकॉर्ड 425 मरीज मिले, 24 घंटे में मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में अब बाजार से लेकर किसी भी सरकारी और निजी संस्था में लोग बिना मास्क के नजर आने लगे हैं। यह स्थिति इसलिए ज्यादा चिंता में डालने वाली है, क्योंकि मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ राजधानी में कोरोना संक्रमण बढ़ने लगा है। आशंका जताई जा रही है कि ये संक्रमण की दूसरी लहर हो सकती है। असल में, मार्च में शुरू हुआ कोरोना का दौर छह महीने यानि छह महीने तक कभी कम, कभी ज्यादा होता रहा। इसके बाद त्योहारी सीजन शुरू हुआ। इसके बाद केस बढ़ने शुरू हो गए हैं। गुरुवार को शहर में कोरोना संक्रमण के 425 मामले सामने आए। ये बुधवार के 229 के मुकाबले करीब दोगुने मामले हैं। पूरे कोरोना काल में ये अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू की है। गुरुवार को मास्क न लगाने वालों के खिलाफ भोपाल में अभियान शुरु किया गया। कलेक्टर अविनाश लवानिया ने सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएमएचओ **शेष पृष्ठ 7 पर**

इधर, हमीदिया रोड, घोड़ा नक्कास, चौक बाजार और लखेरापुरा में मास्क न पहनने पर काटे चालान

चालान के साथ समझाइश भी

एसडीएम जमील खान ने बताया कि हमीदिया रोड, घोड़ा नक्कास, चौक बाजार और लखेरापुरा बाजार में मास्क न पहनने वाले लोगों और दुकानदारों पर चालानी कार्रवाई की जा रही है। दुकानों पर चालान के साथ समझाइश दे रहे हैं। दोबारा अगर उनके यहां मास्क के बगैर दुकानदार दिखे, तो उसे सील करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

कंटेनमेंट जोन बनाने की भी तैयारी

इधर, शहर में अब दोबारा कंटेनमेंट क्षेत्र बनाए जाने का भी निर्णय लिया गया है। हालांकि यह कंटेनमेंट क्षेत्र उन मरीजों के घर के आसपास ही बनाया जाएगा जो कि होम आइसोलेशन में हैं। वहीं, घर-घर जाकर थर्मल स्क्रीनिंग और सैंपलिंग भी की जाएगी। कोरोना पॉजिटिव मरीज के घर के आसपास के 10 मकानों की हर दिन स्क्रीनिंग की जाएगी। लक्षण पाए जाने पर सैंपलिंग भी की जाएगी। इधर, नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पॉजिटिव मरीजों के घरों को कंटेनमेंट कर सैनिटाइजेशन शुरू करें।

चौक बाजार में हुई चालानी कार्रवाई

भोपाल के चौक बाजार में एसडीएम जमील खान के नेतृत्व में कार्रवाई चल रही है। ऐसे में जिला प्रशासन की टीम बाजार में जिन लोगों का चालान बना रही है, वह एक तो मास्क नहीं लगाए हुए हैं, उल्टा बहस और कई तर्क कार्रवाई करने वाली टीम को दे रहे हैं। भोपाल के सभी क्षेत्रों में एक साथ यह अभियान शुरू हुआ है।

फिर से रात 8 बजे से बाजार बंद करने पर विचार

राजधानी में कोरोना संक्रमण एक बार फिर तेजी से पैर पसारने लगा है। बीते कुछ दिनों से रोज ही 200 से ज्यादा नए कोरोना मरीज मिल रहे हैं। संक्रमण की इस रफ्तार को थामने के लिए प्रशासन एक बार फिर रात आठ बजे तक बाजारों को बंद करने पर विचार कर रहा है। इस बारे में बाजार के व्यापारियों से भी सहमति ली जाएगी। त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ी भीड़ और और सुरक्षित शारीरिक दूरी का पालन न किए जाने के चलते शहर में तेजी से कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसके चलते प्रशासन ने एक बार फिर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

आज बेबाक

बराक ओबामा अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में दुनिया के सबसे बड़े व्यापारी रह चुके हैं। उन्हें पता है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा बाजार है, जहां घटिया माल आसानी से खप जाता है। माल विदेशी हो तो लोग उसे हाथों हाथ लेते हैं। यही वजह है कि ओबामा ने अपनी किताब अ प्रॉमिस्ड लैण्ड में भारतीय नेताओं और उद्योगपतियों पर निशाना साधा है। ऐसा कर के बराक ओबामा यदि यह समझते हैं कि उनकी किताब भारत में खूब बिकेगी तो वह बिलकुल ठीक समझते हैं। यहां अक्ल के अंधे और गांठ के पूरे लोगों की कमी नहीं है।

खास- खबर

दिल्ली में अब मास्क नहीं लगाने पर लगेगा 2000 का जुर्माना

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली में बेकाबू होते कोरोना को काबू करने और लोगों को इस महामारी से बचाने में मास्क के महत्व को समझाने के लिए सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली में कोरोना की स्थिति पर चर्चा के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि अब सार्वजनिक स्थान पर बिना मास्क पहने पाने जाने पर 500 रुपये के स्थान पर 2000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सख्ती दिखाने के बाद ही मानते हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली में काफी तादाद में लोग मास्क पहन रहे हैं, लेकिन अब भी कुछ लोग इसे नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई बार जब कहने से बात नहीं बनती तो उन्हें थोड़ा टाइट करना पड़ता है। इसके तहत अब 500 रुपये के बजाय 2000 फाइन लगेगा।

बिहार के शिक्षा मंत्री मेवालाल का इस्तीफा

पटना/ए.। बिहार की नई सरकार में मंत्री पद की शपथ लेते ही विवादों में घिरे शिक्षा मंत्री डॉ मेवालाल चौधरी ने इस्तीफा दे दिया है। मेवालाल पर नियुक्ति के मामले में घोटाले का आरोप है। राजद नेता तेजस्वी यादव समेत अन्य विपक्षी दल लगातार उन पर हमले कर रहे थे। पत्नी की मौत के मामले में हत्या का भी नया आरोप लगाया जा रहा था। गुरुवार की सुबह ही मेवालाल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताया था। हालांकि इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री ने मेवालाल का इस्तीफा तत्काल राज्यपाल को भी भेज दिया।

शेयर बाजार

संसेक्स- 43599.96
निफ्टी- 12771.70
गोल्ड- 49973 (10 ग्रा.)
सिल्वर-61316 (1 कि ग्रा.)

मुख्यमंत्री चौहान ने गोंदिया में बालाघाट कलेक्टर एवं एसपी से चर्चा की

वामपंथी अतिवाद प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सुविधाएं देगी सरकार

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के वामपंथी अतिवाद प्रभावित (एल.डब्ल्यू.ई.) क्षेत्रों में विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, जिससे इनका समुचित विकास हो, यहां कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो तथा स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर सुगम हों। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज गोंदिया में बालाघाट जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के साथ नक्सल प्रभावित (वामपंथी अतिवाद प्रभावित) क्षेत्रों की व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वामपंथी अतिवाद प्रभावित क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले बालाघाट जिले के बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लांजी विकासखंडों में मनरेगा के अंतर्गत एक वर्ष में 100 दिवस के स्थान पर 200 दिवस का कार्य मजदूरों को दिया जाएगा। बैगा आदि अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों के लिए स्थानीय तौर पर विशेष भर्ती अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वामपंथी अतिवाद प्रभावित क्षेत्रों में रोड कनेक्टिविटी के लिए विशेष योजना बनाई जाएगी तथा ऐसे इलाकों जहां मोबाइल नेटवर्क नहीं मिलता है, वहां मोबाइल नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा। इन क्षेत्रों के कौशल विशेष को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जायेंगे। साथ ही इन क्षेत्रों के स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

हथियारों से लदे ट्रक में छिपे आतंकियों से मुठभेड़, 4 ढेर

बड़ी मात्रा में हथियार तथा विस्फोटकों का जखीरा बरामद

जम्मू/वार्ता। जम्मू शहर के नागरोटा इलाके में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में ट्रक में चार आतंकवादी मारे गये तथा ट्रक से एके-47 राइफलों और ग्रेनेड का जखीरा बरामद किया गया। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक मुठभेड़ में मारे गये आतंकवादी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य थे और वे हाल ही में अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसे हैं। पुलिस महानिरीक्षक (जम्मू रेंज) मुकेश सिंह ने यहां प्रेस कांफेंस में जानकारी दी कि जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बान टोल प्लाजा के समीप मुठभेड़ में चार आतंकवादी ढेर हो गये और पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) दो सदस्य घायल हुए हैं। सिंह ने विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि भारी मात्रा में हथियारों और विस्फोटकों समेत ङ्ग आतंकवादियों के घुसपैठ की खुफिया सूचना के आधार पर विभिन्न जांच चौकियों पर पुलिस **शेष पृष्ठ 7 पर**

अब भाजपा में रस्साकसी

मप्र कैबिनेट के विस्तार पर सिंधिया ने कहा- सीएम शिवराज सही समय पर निर्णय लेंगे

ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ पहुंचे भोपाल

एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए आए कार्यकर्ता सोशल डिस्टेंसिंग भूल गए

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में सीएम शिवराज सिंह चौहान सही समय पर फैसला लेंगे। यह बात भाजपा नेता और राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को राजा भोज एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कही। सिंधिया केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ आज भोपाल पहुंचे। उपचुनाव जीत पर सिंधिया ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है, अब भी कहता हूं कि ये जनता की जीत है। मैं अपने प्रदेश की जनता को झुक कर नमन करता हूं। उपचुनाव में जीत के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया पहली बार भोपाल पहुंचे हैं। इससे पहले सिंधिया जब एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ पहुंचे तो स्वागत के लिए आए कार्यकर्ता सोशल डिस्टेंसिंग भूल गए। यहां पर सैकड़ों की भीड़ जमा हो गई।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को 10 साल की सजा

आतंक से जुड़े दो मामलों में पाकिस्तान की अदालत ने सुनाया फैसला

मुंबई/ए.। पाकिस्तान की अदालत ने 2008 मुंबई हमले के सरगना और जेयूडी प्रमुख हाफिज सईद को आतंकवाद के दो और मामलों में 10 साल जेल की सजा सुनाई है। दोनों मामले आतंकवाद के लिए पैसे जुटाने से जुड़े हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तानी कोर्ट ने जमात-उद-दावा के प्रमुख आतंकी हाफिज सईद को आतंकवाद से जुड़े किसी मामले में सजा सुनाई हो। इससे पहले, फरवरी महीने में पाकिस्तानी कोर्ट सईद को 11 साल की सजा सुना चुका है। हाफिज सईद को यूनाइटेड नेशन ने आतंकवादी घोषित कर रखा है और उस पर एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का इनाम भी घोषित है। सईद को इस साल 17 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। उसे लाहौर की कोट लखपत जेल में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया था। कोर्ट के अधिकारियों ने पीटीआई से बताया, ''लाहौर की एंटी-टेररिज्म कोर्ट (एटीसी) ने गुरुवार को जमात-उद-दावा के चार आतंकवादियों को, जिसमें उसका प्रमुख हाफिज सईद भी शामिल है, दो अन्य मामलों में सजा सुनाई है।

विदिशा में हैवानियत:

70 वर्षीय महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या; बदमाश ने प्राइवेट पार्ट को नुकसान पहुंचाया, मुंह में भर दी मिट्टी

विदिशा के ग्यारसपुर थाना क्षेत्र के ओलींजा गांव की घटना

सुबह घर नहीं लौटी तो घर वाले खेत पहुंचे, जहां क्षत-विक्षत शव मिला

विदिशा। विदिशा जिले के ओलींजा गांव में 70 साल की बुजुर्ग महिला के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। यहां पर दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या कर दी गई। महिला के प्राइवेट पार्ट को नुकसान पहुंचाया गया। महिला के मुंह में मिट्टी भर दी गई थी। बुजुर्ग महिला का शव उसके ही खेत में मिला है। महिला निर्वस्त्र थी। बुजुर्ग महिला के बेटे ने बताया कि रात को हमेशा की तरह उनकी मां खेत पर सब्जियों की देखभाल के लिए गई थी, वहीं रात को आराम कर रही थीं। सुबह जब वह घर नहीं लौटीं तो हमने खेत पर जाकर देखा, जहां उसकी मां का शव क्षत-विक्षत पड़ा हुआ था। सूचना के बाद ग्यारसपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, कुछ देर बाद एएसपी संजय साहू सहित एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की।

ग्यारसपुर टीआई सुनील शाक्य ने बताया कि पहली नजर में लग रहा है कि 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की गई है। महिला के मुंह में मिट्टी भरी हुई थी। बुजुर्ग महिला और उसके बेटे ने खेत बंटाई पर लिया था, जहां उन्होंने सब्जियां लगाई हुई हैं। बुजुर्ग महिला सब्जियों की करती देखरेख थी।

हैवानियत की सारी हदें पार

आरोपियों ने बुजुर्ग महिला से हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। एक डंडे से बुजुर्ग महिला के प्राइवेट पार्ट को क्षति पहुंचाई। चिल्ला ना सके इसलिए उसके मुंह में मिट्टी भर दी गई। घटना के बाद से गांव के लोग गुस्से में हैं। मौके पर बुजुर्ग महिला के परिजनों के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।

हरी झंडी | मंत्री उषा ठाकुर ने प्रथम महिला बाइकिंग ट्रेल को किया रवाना

प्रदेश में निर्भीक, निडर और सुरक्षित पर्यटन: उषा ठाकुर

महिला बाइकर्स पर्यटन के लिये बनीं ब्रांड एम्बेसेडर

भोपाल। पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि निर्भीक, निडर और सुरक्षित पर्यटन कहीं है तो देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये विशेष नवाचार पर्यटन विभाग द्वारा किये जा रहे है। इसमें टाइग्रेस ऑफ द ट्रेल एक ऐसा अनूठा नवाचार है जिसमें हमारी बाइकर्स बहनें सभी राष्ट्रीय उद्यानों का लुत्फ उठाएंगी। वही दूसरी और पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार भी करेंगी। मंत्री सुश्री ठाकुर ने मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश में साहसिक एवं सुरक्षित पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई प्रथम महिला बाइकिंग ट्रेल को फ्लेग ऑफ कर रवाना किया। इस मौके पर विधायक श्रीमती नंदनी मरावी एवं प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला भी मौजूद थे। मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में जितने नवाचारों के बारे में सोचें, उनको धरातल पर उतारकर एक अनूठा संदेश न सिर्फ प्रदेश में अपितु पूरे

राष्ट्र में जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बेटियों के लिये प्रतिबद्ध है, उनकी सुरक्षा के लिये जितने आयाम मध्यप्रदेश में निर्मित किये गए, शायद अन्य प्रांत उतने आयामों पर विचार भी नहीं कर पाते है। मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि मातृशक्ति राष्ट्र की आधार शक्ति है, वह विश्व की निर्माण शक्ति है। वह प्रतिबद्ध होकर निकलती है तो चुनौतियों को अवसर में बदल देती है। मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि बेटियाॅं राष्ट्र का गौरव है, संस्कारी और सशक्त बेटियाँ ही राष्ट्र की मजबूत नींव का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 ने पर्यटन के क्षेत्र में जो समस्या खड़ी की उन्हें ऐसे नवाचारों के माध्यम से दूर कर पर्यटन को चरमोत्कर्ष तक ले जाना होगा। महिला बाइकर्स की यह यात्रा मध्यप्रदेश के सुशासन को भी परिभाषित करेगी कि मध्यप्रदेश में बेटियाँ निर्भीक और निडर होकर सुरक्षित घुम सकती है।

प्रमुख सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि कोरोना के निराशाजनक माहौल में पर्यटन विभाग ने ऐसे आयोजन का निर्णय लेकर चुनौतियों में नया रास्ता खोजा है। प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। उन्होंने बताया कि प्रथम महिला बाइकिंग टाइग्रेस ऑफ द ट्रेल एक ऐसा नवाचार है जिसमें प्रदेश के पर्यटन स्थलों की ख्याति को और अधिक बढ़ाया जाएगा। महिला बाइकर्स पर्यटन का आनंद लेकर जहां से भी गुजरेंगी वहां महिलाओं को भी आगे आने के लिये प्रेरित करेंगी। प्रमुख सचिव ने कहा कि मध्यप्रदेश में महिला बाइकर्स की यह पहली राइड हो रही है, जो 19 से 25 नवम्बर तक मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा **शेष पृष्ठ 7 पर**

अंजना-अमरीश स्टारर 'जय मां विंध्यवासिनी' की शूटिंग पूरी

अब हम जल्द ही इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन शुरू करेंगे, जिससे सिनेमाघरों के खुलने के बाद हम इसे अच्छी सी तारीख पर रिलीज करा सकें। बेलु ने दावा किया कि यह फिल्म फूहड़ता फ्री है और यह सभी प्रकार के दर्शकों को पसंद आने वाली है। इस फिल्म को कोई भी अपने परिवार के साथ बैठकर देख सकता है।

मुंबई । भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार अभिनेत्री अंजना सिंह और अभिनेता अमरीश सिंह स्टारर 'जय मां विंध्यवासिनी' की शूटिंग पूरी हो गयी है। निर्देशक विष्णु शंकर बेलु की आने वाली भोजपुरी फिल्म 'जय मां विंध्यवासिनी' की शूटिंग समाप्त हो गई है। इस फिल्म में भोजपुरी हॉट केक अंजना सिंह और सुपर स्टार अमरीश सिंह मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग दो नवंबर से तपोभूमि प्रयागराज के हंडिया (उत्तर प्रदेश) में चल रही थी। इस फिल्म के प्रोड्यूसर जय सिंह हैं और फिल्म का निर्माण श्रद्धा साई प्रोडक्शन के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म 'जय मां विंध्यवासिनी' के फाइनल शॉट के बाद निर्देशक विष्णु शंकर बेलु ने बताया कि फिल्म के शूट का अनुभव बेहद खास और शानदार रहा। यह भोजपुरी की अनोखी धार्मिक जोन की फिल्म है, जो दर्शकों को खूब पसंद आने वाली है। शूटिंग के दौरान भी सबों ने अपनी-अपनी भूमिका को खूब इंजॉय किया।

अमाल मलिक का पॉप डेब्यू सॉन्ग 'तू मेरा नहीं' मचा रहा है धूम

मुंबई । बॉलीवुड हिटमेकर एवं सुप्रसिद्ध संगीतकार अमाल मलिक का पॉप डेब्यू सॉन्ग 'तू मेरा नहीं' धूम मचा रहा है। अमाल मलिक ने सोनी म्यूज़िक इंडिया के साथ मिलकर अपना पहला पॉप सिंगल 'तू मेरा नहीं' रिलीज़ किया, जिसे अमाल ने ही संगीतबद्ध और स्वरबद्ध किया है और रश्मि विराग ने लिखा है। यह गाना अब श्रोताओं से खूब तारीफ बटोर रहा है। मीका सिंह, रफ्तार, शान, जैकलीन फर्नांडीज, इमरान हाशमी, हुमा कुरैशी, परिणीती चोपड़ा, कियारा आडवाणी, दिशा पाटनी, विक्रांत मेस्सी, हिमेश रेशमिया, ईशान खट्टर, टाइगर श्रॉफ, कनिका कपूर, पुलकित सम्राट, तुलसी कुमार, मोनाली ठाकुर ,सहित बॉलीवुड और संगीत इंडस्ट्री के कई नामचीन कलाकारों ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से अमाल को ढेर सारी शुभकमनाएं दी और उनके इस पॉप डेब्यू कि जमकर तारीफ भी की।

रणवीर सिंह ने फ़िल्म सर्कस की शूटिंग शुरू की

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म 'सर्कस' की शूटिंग शुरू कर दी है।

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी, रणवीर सिंह को लेकर फिल्म 'सर्कस' बना रहे हैं। रोहित इससे पूर्व रणवीर के साथ सिंबा और सूर्यवंशी में काम कर चुके हैं। फिल्म 'सर्कस' एक कॉमेडी फिल्म होगी।रोहित के निर्देशन में बन रही सर्कस फिल्म की शूटिंग मुंबई के महबूब स्टूडियो से शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि महबूब स्टूडियो में रणवीर के अलावा पूजा हेगड़े, मुरली शर्मा और वरूण शर्मा को सीन शूट करते हुए देखा गया है। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडीस भी मुख्य किरदार में दिखाई देंगी।

कहा जा रहा है कि रोहित शेट्टी अपनी अगली फिल्म सुप्रसिद्ध लेखक विलियम शेक्सपियर के एक नाटक 'कॉमेडी ऑफ एरर्स' पर बना रहे हैं।यह फिल्म साल 2021 में रिलीज होगी।

प्रभास की 'आदिपुरुष' 11 अगस्त 2022 को होगी रिलीज

मुंबई । दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार बाहुबली फेम प्रभास की आने वाली फिल्म 'आदिपुरुष' 11 अगस्त 2022 को रिलीज होगी।

अजय देवगन को लेकर सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' बना चुके ओम राउत अब बाहुबली फेम प्रभास को लेकर फिल्म 'आदिपुरुष' बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म एक थ्रीडी एक्शन ड्रामा होगी। फिल्म को हिंदी, तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। 'आदिपुरुष' के रिलीज डेट की घोषणा को लेकर ओम राउत ने जानकारी दी कि 'आदिपुरुष' 11 अगस्त, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि प्रभास की इस फिल्म का बजट 350 करोड़ से 400 करोड़ रुपए के बीच है। फिल्म में जहां 'आदिपुरुष' का किरदार प्रभास निभाएंगे, तो वहीं फैंस में सीता के रोल को कौन निभाएंगे इसको लेकर काफी उत्सुकता बनी हुई है। अबतक सीता के रोल के लिए कई नाम सामने आ चुके हैं।

दीपिका कक्कड़ ने बनवाया 'शोइका' नाम का टैटू

नई दिल्ली। दीपिका कक्कड़ हाल ही में पति शोएब इब्राहिम के साथ गोवा वेकेशन पर गई थीं। दोनों ने वेकेशन से कई फोटोज शेयर की थी। अब हाल ही में दीपिका ने अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें उनके हाथ में शोइका नाम का टैटू बनाया हुआ है। बता दें कि शोइका, शोएब और दीपिका के नाम से जुड़ा नाम है। हालांकि यह क्लीयर नहीं है कि यह टैटू टेम्परेरी है या परमानेंट। बता दें कि दीपिका के कुछ दिनों पहले यूट्यूब पर 1 मिलियन सब्सक्राइबर हुए हैं। इस खुशी में शोएब ने दीपिका के लिए पार्टी रखी थी। दीपिका ने सेलिब्रेशन की फोटो शेयर करते हुए लिखा था, 'यूट्यूब पर 1 मिलियन सब्सक्राइबर होने पर गोल्ड प्ले बटन रिवॉर्ट मिला है। मेरे पास शब्द नहीं हैं कहने को।

केंद्र से जीएसटी और टीडीएस प्रणाली पर दोबारा विचार करने का आग्रह

नई दिल्ली। देश में परामर्शदाता इंजीनियरों की शीर्ष संस्था कंसल्टिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीइएआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सलाहकार एवं सेवा समुदाय के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) संग्रह की व्यवस्था पर दोबारा विचार करने का अनुरोध किया है।

संस्था ने गुरुवार को लिखे पत्र दोनों से अनुरोध किया कि इस क्षेत्र को ग्राहकों से भुगतान मिलने के बाद ही जीएसटी तथा टीडीएस जमा करने की सुविधा दी जाए। सीईएआई अध्यक्ष अमिताभ घोषाल ने कहा, ÷इस समय सलाहकार अथवा कंसल्टेंट ईमानदार पेशेवरों और फर्मों की तरह अपने कर जमा करते हैं,किंतु जीएसटी तथा टीडीएस जमा करते समय काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है क्योंकि इसे अक्रुअल एंड ड्यू आधार पर यानी खर्च करते ही जमा कर देना पड़ता है। जीएसटी को बिल बनने के 30 दिन के भीतर जमा कर देना होता है, ग्राहकों से भुगतान मिलने के बाद नहीं।

श्री घोषाल ने कहा, ÷कंसल्टिंग इंजीनियरिंग कंपनियां सेवा क्षेत्र से जुड़ी हैं और उनका अस्तित्व ग्राहकों से समय पर भुगतान मिलने पर ही टिका है। बैंक पेशेवरों को अग्रिम ऋण देने के लिए तैयार नहीं होते और जीएसटी तथा आयकर चुकाने या जमा करने के लिए कर्ज नहीं देते। ग्राहकों से भुगतान मिलने में देर हो तो हमारी वित्तीय स्थिति पर गलत प्रभाव पड़ता है, जिससे जीएसटी जमा करने में देर होती है और ब्याज भी जुड़ जाता है।

सीईएआई की बुनियादी ढांचा समिति के चेयरमैन के के कपिला ने कहा, ÷जीएसटी जमा करने में देर होने पर जीएसटी पंजीकरण रद्द होने या मुकदमा होने का खतरा रहता है, जबकि हम नकदी की किल्लत होने के बावजूद जीसटी में देर होने पर ब्याज भी जमा करते हैं। इसी तरह टीडीएस को भी अगले महीने की सात तारीख तक जमा करना होता है चाहे पेशेवर या फर्म को अपने ग्राहक से समय पर भुगतान मिले या नहीं मिले। आर्थिक तंगी के कारण कभी-कभी टीडीएस जमा करने में देर हो जाती है। उस स्थिति में भी ब्याज के साथ टीडीएस जमा करने के बावजूद हमें आयकर विभाग से मुकदमे का नोटिस भेज दिया जाता है। श्री कपिला ने कहा, ÷कंसल्टिंग इंजीनियरों ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने और वित्त मंत्रालय को ऐसी कानून को मानने वाली फर्मों और पेशेवरों के खिलाफ तब तक मुकदमा नहीं करने का निर्देश देने का आग्रह किया है, जब तक उनकी मंशा स्पष्ट रूप से गलत नहीं दिख रही हो। सभी सेवा प्रदाताओं और उनकी कारोबारी जरूरतों को एक ही चश्मे से देखना सही नहीं है।

सोना-चांदी लुढ़का

मुंबई । अंतराष्ट्रीय बाजार में दोनों कीमती धातुओं के दाम में रही घटबढ़ के बीच बुधवार को घरेलू बाजार में भी सोने-चांदी के दाम फिसल गये। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 1,877.65 डॉलर प्रति औंस पर अपरिवर्तित रहा। इस दौरान अमेरिकी सोना वायदा 0.51 प्रतिशत फिसलकर 1,876.60 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस बीच चाँदी 0.20 प्रतिशत चमककर 24.51 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयी। घरेलू स्तर पर वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 1.31 प्रतिशत यानी 663 रुपये की गिरावट में 50,105 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। इस बीच चाँदी 1.66 प्रतिशत यानी 1,045 रुपये की गिरावट में 62,197 रुपये प्रति किलोग्राम और चाँदी मिनी 1.64 प्रतिशत यानी 1,041 रुपये की गिरावट के साथ 62,220 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार 48 वें दिन स्थिर

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कंपनियों ने गुरुवार को लगातार 48 वें दिन कोई घटबढ़ नहीं की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में हालांकि हल्की मजबूती दिख रही है। वहीं दूसरी तरफ कोरोना वायरस का फिर से प्रकोप बढ़ने की वजह से तेल की मांग विशेष नहीं है।

घरेलू बाजार में डीजल के दाम में अंतिम बार कटौती दो अक्टूबर को हुई थी,जबकि पेट्रोल की कीमत पिछले 58 दिन से स्थिर हैं। पेट्रोल की कीमत में आखिरी बार 22 सितंबर को 7 से 8 पैसे प्रति लीटर की गिरावट देखी गई। तेल विपणन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 81.06 रुपये जबकि डीजल 70.46 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 87.74 रुपये प्रति लीटर और डीजल 76.86 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। कोलकाता में पेट्रोल 82.59 रुपये प्रति लीटर और डीजल 73.99 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 84.14 रुपये प्रति लीटर और डीजव 75.99 रुपये प्रति लीटर पर टिकी रही।

एलन मस्क बने दुनिया के चौथे सबसे बड़े रईस

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेस एक्स के प्रमुख 49 वर्षीय एलन मस्क अब दुनिया के चौथे सबसे अमीर आदमी बन गए हैं। उनकी संपत्ति करीब 105 बिलियन डॉलर हो गई है। इस तरह उन्होंने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को पीछे छोड़ दिया है। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार दुनिया के टॉप-10 अमीरों की गुरुवार दोपहर तक की लिस्ट में एशिया के सबसे बड़े रईस रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी दो पायदान नीचे लुढ़क कर नौवें स्थान पर आ गए हैं। एलन मस्क ने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को एक पायदान नीचे ढकेल दिया है। उनके नेटवर्थ में 8.4 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं मुकेश अंबानी दो पायदान लुढ़ककर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं। आठवें स्थान पर लैरी एलिशन और सातवें पर लैरी पेज हैं। वॉरे बफेट छठे और मार्क जुकरबर्ग पांचवें स्थान पर हैं। अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस को 1.6 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, बावजूद इसके वह पहले स्थान पर काबिज हैं। दूसरे पर बर्नार्ड एंड फैमिली है। तीसरे पर बिलगेट्स काबिज हैं। बता दें कि फोर्ब्स के रियल-टाइम बिलियनेयर रैंकिंग्स से हर रोज पब्लिक होल्डिंग्स में होने वाले उतार-चढ़ाव के बारे में जानकारी मिलती है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में शेयर बाजार खुलने के बाद हर 5 मिनट में यह इंडेक्स अपडेट होता है।

जिन व्यक्तियों की संपत्ति किसी प्राइवेट कंपनी से संबंधित है,

सिगरेट की तस्करी पांच महीने में आठ गुना बढ़ी

नई दिल्ली। उद्योग संगठन फिक्की की तस्करी तथा नकली सामान की बिक्री को रोकने वाली समिति कैस्केड के मुताबिक कई उपायों के बावजदू भारत सिगरेट की तस्करी करने वालों की निगाह में बना हुआ है और जून से अक्टूबर 2020 के दौरान तंबाकू की तस्करी आठ गुना बढ़ी। फिक्की कैस्केड ने एक बयान में कहा कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले पांच महीनों के दौरान देश भर में लगभग 412 करोड़ रुपये की अवैध सिगरेट जब्त की। ये आंकड़ा जून-अक्टूबर 2019 में 52 करोड़ रुपये था। इस तरह तस्करी में जोरदार बढ़ोतरी हुई। बयान में कहा गया कि इनमें से कई मामले कोविड-19 महमारी के चलते लागू किए गए लॉक्डाउन के दौरान सामने आए। पूरे मामले पर फिक्की कैस्केड के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले तस्करी में आठ गुना बढ़ोतरी हुई है।

विराट की गैरमौजूदगी में केएल राहुल और पुजारा के पास बेहतरीन मौका: हरभजन

नई दिल्ली । भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी दौरे पर विराट कोहली की गैरमौजूदगी में केएल राहुल और चेतेश्वर पुजारा के पास खुद को साबित करने का बढ़िया मौका है। हरभजन ने एक टीवी चैनल पर बातचीत में कहा, ÷केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा बड़े खिलाड़ी हैं और उन्हें विराट की गैरमौजूदगी में खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।विराट एक बड़े खिलाड़ी हैं और वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाते हैं तो रन बनाते हैं। उनकी गैरमौजूदगी में कुछ खिलाड़ियों के पास आगे बढ़ने का मौका होगा। भारतीय कप्तान विराट कोहली 27 नवंबर से शुरू हो रही सीमित ओवरों की सीरीज और 17 दिसंबर को एडिलेड में होने वाले पहले टेस्ट के बाद स्वदेश वापस लौट आएंगे। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से पितृत्व अवकाश की मंजूरी मांगी थी जो उन्हें मिल गई है।

केनरा बैंक के 115 वें संस्थापक दिवस मनाया गया

रायपुर। केनरा बैंक के 115 वें संस्थापक दिवस, बैंक के नवा रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय में भव्य रूप में कोविड 19 के सरकारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए मनाया गया। श्री के बानुमूर्ति, सहायक महा प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर की अध्यक्षता में समारोह का उद्घाटन किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री नीरज कुमार, मंडल प्रबंधक; श्री बिनय कुमार दास, मंडल प्रबंधक; श्री ठाकुर दास कोरी, मंडल प्रबंधक के साथ अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

उक्त अवसर पर ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। उक्त में उपस्थित ग्राहकों को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित भी किया।

इस उपलक्ष्य में केनरा बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, नवा रायपुर द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के मद्देनज़र लक्ष्मीनारायण कन्या उच्च माध्यमिक शाला के मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहन के तौर पर कम्प्यूटर भेंट की गई ।

कोरोना काल : **लॉकडाउन के कारण खिलाड़ी अपने परिवार के साथ समय बिता सके**

इस वर्ष ने मानसिक रूप से मजबूत रहना सिखाया: सूरज करकेरा

बेंगलुरु । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा का कहना है कि इस वर्ष ने उन्हें सिखाया है कि जीवन में कुछ भी हो सकता है और हर किसी को इसका सामना करने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहने की जरूरत है।

इस वर्ष जून में जब भारतीय पुरुष और महिला हॉकी खिलाड़ियों को राष्ट्रव्यपी लॉकडाउन के कारण अपने परिवार के साथ समय बिताने की अनुमति दी गई थी तब सूरज ने बेंगलुरु के साई सेंटर में ही रूकने का फैसला किया था क्योंकि उनका परिवार मुंबई में रहता है और वहां कोविड-19 के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे थे। सूरज ने इस दौरान साई में अपना अधिकतर समय अपने कमरे में किताबें पढ़ने और पिछले वर्षों के मैच देखने में बिताया। जब छह महीने की छुट्टी के बाद टीम के अन्य खिलाड़ी कैंप में वापस आये तब सूरज को डेंगू हो गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। उन्होंने इस बारे में कहा, ÷यह वर्ष पूरी तरह उतार-चढ़ाव से भरा रहा। मैंने साई सेंटर में ठहरने का फैसला किया क्योंकि मुझे लगा कि मुंबई की यात्रा करना मेरे लिए सुरक्षित नहीं है क्योंकि वहां कोविड-19 के मामले बहुत अधिक थे। लेकिन जब हम कैंप में साथ मिलकर अभ्यास शुरू करने ही वाले थे तब दुर्भाग्य से मुझे डेंगू हो गया। इसके बाद मुझे पूरी तरह स्वस्थ होने में समय लगा। सूरज 2017 के हॉकी विश्व लीग में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। वह 2017 में ढाका में एशिया कप में सफल होने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। सूरज को लगता है कि वह बहुत भाग्यशाली रहे जो उन्हें उस मुश्किल घड़ी में कोचिंग स्टॉफ का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने कहा, मैं उस समय होस्टल में अकेला था, हमारे मुख्य कोच और वैज्ञानिक सलाहकार लगातार मेरा ध्यान रख रहे थे। उन्होंने भी 10 महीनों से अधिक समय से अपने परिवार को नहीं देखा है और यह उनके लिए आसान नहीं है। मुझे व्यक्तिगत तौर पर यह महसूस होता है कि इस वर्ष ने हमें बहत कुछ सिखाया है। इसने सिखाया कि जीवन में कुछ भी हो सकता है और हमें इसका सामना करने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ÷मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं जो मुझे नेशनल कोचिंग कैंप में सरदार सिंह, श्रीजेश, मनप्रीत, सुनील, आकाशदीप जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का मिला। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। वे लगातार मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं। मेरा ध्यान अब अपने कौशल में सुधार करने पर है।

रिद्धिमान साहा ने किया अभ्यास, चोट से उबरने के दिए संकेत

सिडनी । भारत के टेस्ट विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने बुधवार को सिडनी में टीम के साथ अभ्यास किया जिससे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने तक उनके हैमस्ट्रिंग चोट से पूरी तरह उबरने के संकेत मिले हैं। एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने में अभी भी करीब चार सप्ताह बाकी हैं और उम्मीद है कि साहा तब तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। यह टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से शुरू हो रही है।

साहा को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलने के दौरान चोट लग गई थी। उनका आईपीएल में प्रदर्शन काफी शानदार रहा। 36 वर्षीय विकेटकीपर इस चोट के कारण आईपीएल के एलिमिनेटर और दूसरे क्वालिफॉयर मैच में नहीं खेल पाये थे। साहा को बुधवार को नेट पर श्रीलका के बाएं हाथ के विशेषज्ञ नुवान सेनेवीरत्ने और भारत के दायें हाथ के गेंदबाज दयानंद गरानी का थ्रोडाउन का काफी समय तक सामना करते हुए देखा गया। साहा ने इस दौरान हालांकि विकेटकीपिंग नहीं की और बीसीसीआई की तरफ से अपलोड किए गए इस वीडियो से इसका पता नहीं लगाया जा सकता कि वह किस हद तक अपनी चोट से उबरे हैं।

भारत के लिए 37 टेस्ट में 1238 रन बनाने वाले साहा हालांकि नेट पर अभ्यास के दौरान असहज नहीं दिखे। वीडियो को देखकर हालांकि ऐसा लगा कि दोनों थ्रोडाउन विशेषज्ञ साहा के खिलाफ पूरा जोर नहीं लगा रहे थे क्योंकि वह चोट के बाद लय हासिल करने की कोशिशों में जुटे हुये हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने हाल ही में भरोसा जताया था कि साहा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएंगे क्योंकि नितिन पटेल और निक वेब दोनों उन्हें चोट से उबारने का काम कर रहे हैं।

सीएम हाउस में होने वाली बैठक स्थगित

सिंधिया समर्थकों को संगठन में जगह मिलना तय, इमरती देवी के पुनर्वास को लेकर संशय

प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की सिंधिया के साथ दिल्ली में हो चुकी है बैठक

प्रदेश अध्यक्ष नई टीम की जल्दी करेंगे घोषणा, 10 उपाध्यक्ष व 10 प्रदेश मंत्री बनेंगे

भोपाल। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों को जगह मिलना लगभग तय है, लेकिन मंत्री इमरती देवी के पुनर्वास को लेकर फिलहाल संशय बना हुआ है। इसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की सिंधिया के साथ 18 नंवबर को दिल्ली में पहले दौर की बैठक हो चुकी है। दोनों नेताओं की 19 नंवबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ बैठक होना थी, लेकिन मुख्यमंत्री के गोंदिया में रुकने के कारण यह बैठक नहीं हुई। इस बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार और भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर चर्चा होना थी। हालांकि मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि मंत्रिमंडल विस्तार की जल्दबाजी नहीं है। भोपाल प्रवास के दौरान सिंधिया ने भी कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार सीएम का विशेषाधिकार है। दरअसल, प्रदेशाध्यक्ष जल्दी से जल्दी नई टीम भी घोषित करना चाहते हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि प्रदेशाध्यक्ष की टीम में 10 उपाध्यक्ष और 10 प्रदेश मंत्री रहेंगे। सिंधिया समर्थकों को कार्यकारिणी में शामिल करने पर सहमित बन गई है, लेकिन इमरती देवी को संगठन में जगह मिलेगी या चुनाव हारने के बाद भी किसी निगम-मंड्ल में पद देकर उनका मंत्री का कद बरकरार रखा जाएगा। इसको लेकर संगठन स्तर पर निर्णय होना अभी बाकी है। उपचुनाव के बाद भाजपा अब निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। राज्य निर्वाचन आयोग की तैयारियों के मुताबिक निकाय चुनाव दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के पहले हो जाएंगे। यही वजह है कि पार्टी का निकाय चुनाव से पहले मंत्रिमंडल विस्तार के साथ निगम-मंडलों में नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरा करने पर फोकस है। उपचुनाव में शिवराज कैबिनेट के तीन मंत्रियों के हारने के बाद 4 पद खाली हैं। इन पदों पर सिधिंया समर्थकों को जगह मिलेगी या नहींड़ इस पर सीएम हाउस में होनी वाली बैठक में निर्णय हो सकता है। हालांकि कहा जा रहा है कि हारे हुए मंत्री इमरती देवी, गिर्राज दंडोतिया और एदल सिंह कंसाना को निगम मंडल में नियुक्ति देने को लेकर सिंधिया ने शिवराज सिंह को सहमत कर लिया है। यदि ऐसा होता है, तो मंत्रिमंडल के खाली 4 पदों पर भाजपा के वरिष्ठ विधायकों को मौका मिल सकता है।

पांच साल से नहीं बनी नई टीम

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में पांच साल से बदलाव नहीं हुआ है। सांसद नंदकुमार सिंह चौहान के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने नई टीम बनाई थी, लेकिन इसके बाद से अभी तक प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन नहीं हो पाया है। चौहान के बाद सांसद राकेश सिंह को प्रदेश संगठन की कमान मिली थी, लेकिन वे भी टीम नहीं बना पाए थे। सिंह के बाद इसी साल फरवरी में सांसद वीडी शर्मा प्रदेश अध्यक्ष बने, लेकिन वे भी अभी तक कार्यकारिणी घोषित नहीं कर पाए। हालांकि उपचुनाव के बीच शर्मा ने अपनी टीम में पांच महामंत्री भगवान दास सबनानी, रणवीर सिंह रावत, हरिशंकर खटीक,शरतेंद्रु तिवारी, कविता पाटीदार को शामिल कर लिया, लेकिन शेष कार्यकारिणी घोषित होने का इंतजर अभी भी है।

मिलावटखोरों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करवायें

चलित प्रयोगशालाओं के प्रति आमजन को करें जागृत

मुख्य सचिव श्री बैंस ने अधिकारियों को दिये निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। प्रदेश में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री को रोकने और मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर आपराधिक प्रकरण दर्ज करवाये जायें। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाये गये मिलावट से मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाकर डार्क-स्पॉट चिन्हित कर तत्काल कार्यवाही करें। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस ने आज मंत्रालय में मिलावट से मुक्ति अभियान की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को उक्त निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान का उद्देश्य नागरिकों को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना एवं मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करना है। अभियान अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा 11 नवम्बर को चलित खाद्य प्रयोगशालाएँ रवाना की गई थीं। इन चलित प्रयोगशालाओं का प्रभावी असर क्षेत्र में दिखना चाहिये। श्री बैंस ने कहा कि आमजन तक चलित प्रयोगशालाओं का संदेश पहुँचे, जिससे वे मिलावट के प्रति जागरूक होकर खाद्य पदार्थों की जाँच करवायें। मुख्य सचिव श्री बैंस ने चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा नमूनों की जाँच रिपोर्ट उपभोक्ताओं को व्हाट्सअप अथवा अन्य तकनीकी प्लेटफार्म पर देने और इसके आँक?ों को संग्रहित करके करने के भी निर्देश दिये। चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा जारी रिपोर्ट को एमआईएस सिस्टम से लिंक करने के लिये भी अधिकारियों को कहा। उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं को बताया जायें कि वे मात्र 10 रूपये के शुल्क के साथ अपने खाद्य पदार्थ की जाँच करवा सकते है। खाद्य पदार्थ अवमानक होने पर उपभोक्ता फोरम में उपभोक्ता स्वयं भी शिकायत दर्ज करवा सकता है। विभाग प्रकरण तुरंत दर्ज करवाये।

मिलावट के विरुद्ध अब तक हुई कार्यवाही

समीक्षा बैठक में बताया गया कि पिछले एक सप्ताह में 49 लाख 62 हजार 659 रूपये कीमत के मिलावटी खाद्य पदार्थों की जप्ती की गई है। जप्त की गई सामग्री में मुरैना जिले से 20 लाख रूपये कीमत का मिलावटी दूध, 29 हजार 200 रूपये कीमत का रिफाइन्ड ऑयल और 51 हजार रूपये कीमत का पनीर जप्त किया गया। भोपाल जिले से 10 लाख रूपये कीमत की मावा बर्फी और पनीर, जबलपुर जिले से 3 लाख 92 हजार कीमत का मावा और मिल्क केक, ग्वालियर जिले से एक लाख 42 हजार कीमत की बर्फी जप्त की गई। पिछले एक सप्ताह के दौरान ग्वालियर संभाग में खाद्य पदार्थों में मिलावट के 6 प्रकरण और जबलपुर संभाग में मिलावट के 3 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई।

जाँच नमूनों पर क्यूआर कोडिंग होगी

स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. संजय गोयल ने बताया कि राज्य खाद्य प्रयोगशाला में खाद्य पदार्थों के नमूनों की जाँच की क्षमता को 500 से ब?ाकर 1000 नमूने प्रतिमाह कर दिया गया है। अभियान के तहत 1700 प्रति माह नमूनों की जाँच का लक्ष्य निर्धारित है। मिलावट से मुक्ति अभियान में भविष्य की योजना और रणनीति के संबंध में भी जानकारी दी गई। प्राथमिकता वाले नमूनों की जाँच को तेजी से किया जायेगा। जाँच नमूनों पर क्यूआर कोडिंग की जायेगी।

कम्प्यूटर बाबा रिहा: 11 दिन बाद जेल से बाहर आए, बोले - सबको धन्यवाद, भगवान ने सत्य की जीत की, कुछ नहीं बोलूंगा

गुरुवार को जिला कोर्ट में सुनवाई के बाद देर शाम बाबा रिहा हो गए

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। कम्प्यूटर बाबा के लिए गुरुवार का दिन राहत भरा रहा। सभी चारों मामलों में कोर्ट से जमानत मिलने के बाद देर शाम उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। 11 दिन बाद बाबा जेल से बाहर आए, लेकिन वे काफी घबराए हुए लग रहे थे। गेट के पास ही मीडिया ने उनसे कई सवाल पूछे लेकिन उन्होंने कहा मुझे कुछ नहीं कहना। बस उन्होंने इतना ही कहा कि वकीलों और सबका धन्यवाद। भगवान ने सत्य की जीत की है। इसके बाद कुछ दूर खड़ी कार में सवार होकर बाबा तेजी से निकल गए। बाबा के वकील सिंह ने बताया, गुरुवार को चौथे केस में जिला कोर्ट में सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट ने बाबा की रिहाई के लिए 10 हजार रुपए के बेल बॉन्ड के आदेश दिए। कोर्ट में बाबा कोरोना को लेकर भी सतर्क नजर आए। मास्क नहीं होने पर अपनी धोती को ही मास्क बना लिया। बुधवार को एरोड्रम थाने में दर्ज मामले में जमानत मिलने के बाद गांधी नगर पुलिस द्वारा एक केस दर्ज करने का मामला सामने आया था, जिसमें पुलिस ने कोर्ट से बाबा का रिमांड मांगा था। बाबा को पूर्व में धारा 151 और जातिसूचक शब्द कहे जाने के मामले में भी जमानत मिल चुकी है।

गांधी नगर पुलिस ने दर्ज किया था केस

कम्प्यूटर बाबा पर गांधी नगर पुलिस ने 2 माह पुरानी शिकायत को आधार बनाकर एक और केस दर्ज किया। गांधी नगर टीआई अनिल सिंह चौहान ने बताया कि दो माह पूर्व सुभाष पिता बाबूलाल दयाल निवासी नगीन नगर ने बाबा के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने, मारपीट व धक्का-मुक्की किए जाने की शिकायत की थी। उसने बताया कि गोम्मट गिरी पर जैन तीर्थ का गेट बनाने की बात पर बाबा ने उसे धमकाया था। फिर धक्का-मुक्की कर जान से मारने का बोलकर उसे मारने के लिए दौड़े थे। मामले में बाबा के खिलाफ मारपीट और धमकाने की धारा में केस दर्ज किया गया है।

बाबा के वकील सिंह ने लगाए शासन-प्रशासन पर आरोप

बाबा से सेंट्रल जेल में मिलने पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के वकील डॉ. एपी सिंह ने कहा कि बाबा की हालत खराब है। मेडिकल टीम उन्हें हेल्प कर रही है। शासन-प्रशासन सहयोग नहीं कर रहा। उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। राजनीति से प्रेरित होकर केस दर्ज किए जा रहे हैं। वे एक केस में रिहा होते हैं, तो दूसरे में पकड़ लिया जाता है। कम्प्यूटर बाबा राजनीति के शिकार हो चुके हैं, इसलिए उन्हें जेल में रखा जा रहा है।

काली कोठरी में रखे गए बाबा - डॉ. एपी सिंह

वकील डॉ. एपी सिंह का आरोप है कि मप्र सरकार ने ही उन्हें सोच समझकर राज्यमंत्री का दर्जा दिया था। अब उनके साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है। कम्प्यूटर बाबा ने मुलाकात में यही कहा है कि मेरे ऊपर जो एक के बाद एक केस दर्ज हो रहे हैं, उसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की जाए। सुप्रीम कोर्ट में भी इसे लेकर याचिका लगाएं। उन पर लगातार झूठे केस दायर किए जा रहे हैं। उन्होंने नर्मदा यात्रा की, आश्रम बनाए। बाबा को काली कोठरी में रखकर कोरे कागज दस्तखत लिए जा रहे हैं।

सिंधिया समर्थकों के बागी तेवर

रघुराज का आरोप- सेकंड लाइन की लीडरशिप ने धोखा दिया, इसलिए हार गया चुनाव

दंडोतिया बोले, पार्टी फोरम में रखूंगा अपनी बात, इस्तीफा सीएम से मिलकर ही दूंगा

भोपाल। उपचुनाव में हारने के बाद सिंधिया समर्थक नेता बागी तेवर दिखाने लगे हैं। पूर्व विधायक रघुराज कंषाना ने आरोप लगाया है कि सेकंड लाइन की लीडरशिप ने धोखा दिया है। जिसकी वजह से चुनाव हार गया। मुरैना जिले व मंडल स्तर के नेताओं ने मुझे हराकर भाजपा की पीठ पर छुरा घोपने का काम किया है। चुनाव के दौरान फोन कर-कर के कार्यकर्ताओं से मेरे खिलाफ काम करने को कहा गया। मैंने यह जानकारी प्रदेश नेतृत्व को दे दी है। यदि ऐसे नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नही हुई तो आने वाले समय में पार्टी को इसके परिणाम भुगतने पडेंगे। बता दें कि रघुराज कंषाना मुरैना सीट से चुनाव लड़े थे। वे कांग्रेस के राकेश मवई से 5751 वोट से चुनाव हार गए हैं। इसी तरह कृषि राज्य मंत्री गिर्राज दंडोतिया ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद हमारा त्याग सफल हुआ। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर देर शाम तक मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री पद पर बने रहने की मेरी कोई चाहत नहीं है। चुनाव में हार की वजह पूछने पर दडोतिया ने कहा कि पार्टी फोरम में अपनी बात रखूंगा। यह पार्टी का आंतरिक मामला है। उन्होंने निगम-मंडल में पद के सवाल पर कहा कि पार्टी नेतृत्व का जो निर्णय होगा,उसे माना जाएगा।

सलूजा ने कहा- गद्दारों के साथ गद्दारी..

सिंधिया समर्थकों के बागी तेवर पर कांग्रेस के समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट किया है। सलूजा ने कहा है कि गद्दारों के साथ गद्दारी.. चुनाव हारने के बाद मुन्ना लाल गोयल और रघुराज कांषाना ने भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया है।

असली पर भारी नकली पुलिस: पुलिस-सीबीआई बनकर व्यापारी से सोना ठगने वालों की तलाश में भोपाल आई थी सागर पुलिस

भोपाल। भोपाल में पुलिस पर हमला करने वाले आरोपियों ने कुछ दिन पहले सागर में पुलिस-सीबीआई अधिकारी बनकर एक व्यापारी से सोने की ठगी की थी। खुरई पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इन्हीं नकली पुलिस और सीबीआई अधिकारी बने आरोपियों की तलाश में भोपाल पहुंची थी, लेकिन हमले का शिकार हो गई। मामले में एक आरोपी को पकड़ लिया गया है, लेकिन अभी दो-तीन आरोपी फरार हैं।

इस तरह व्यापारी से लूट लिया सोना

10 नवम्बर की दोपहर सागर के व्यापारी के साथ व्यस्ततम मेनरोड पर ठगी का मामला भोपाल में हुए हमले के बाद चर्चा में आया। दोपहर करीब सवा दो बजे सागर के व्यापारी राजेन्द्र सोनी हटा वाले निवासी इतवारी टौरी सागर बैग में सोने का सामान लेकर आ रहे थे, तभी वरदान प्लाजा होटल के सामने दो लोग बाइक से आकर खड़े हो गए। उन्होंने व्यापारी सोनी को रोका और दो लोग पैदल पास में आकर खड़े हो गए। उन लोगों ने स्वयं को पुलिस-सीबीआई का बताया और व्यापारी के बैग की तलाशी ली। इसके बाद वह व्यापारी के बैग में रखा सोने का सामान लेकर चले गए। कुछ देर में व्यापारी को पता लगा कि उसके बैग से सोने का सामान गायब हैं। वह बाजार में चिल्लाने लगा, इसकी सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

बाइक नंबर के साथ दिखे आरोपी

एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को देखा, तो घटना स्पष्ट दिखाई दी, लेकिन तस्वीर, बाइक नंबर समझ नहीं आया। बाद में शहर में लगे पुलिस के कैमरों को खंगाला गया, जिसमें बाइक नंबर दिखाई दिया। बाइक सवार सागर की ओर जाते दिखे। पुलिस मामले की जांच में जुटी रही। बताया जाता है कि भोपाल तक आरोपियों का पीछा सीसीटीवी देखकर ही पुलिस कर रही है। व्यापारी सोनी का कहना है कि वह पिछले 40 साल से सराफा बाजार खुरई में सामान लेकर आ रहे हैं।

कार्यशाला सड़क सुरक्षा प्रबंधन के लिये वर्चुअल कार्यशाला आयोजित

ट्रैफिक नियमों का पालन सख्ती से सुनिश्चित किया जाये - एडीजी सागर

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाये। ओव्हर-लोडिंग, ओव्हर-स्पीडिंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही हो। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान श्री डी.सी. सागर गुरूवार को पुलिस मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा सड़क सुरक्षा प्रबंधन के लिये आयोजित राज्य-स्तरीय वर्चुअल कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। सागर ने कहा कि आमजन के जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एडीजी ने बीते दिनों शिवपुरी, सतना, बैतूल, कटनी एवं कुछ अन्य जिलों में हुई सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने नोडल अधिकारियों और जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समितियों के सदस्यों को उन परिवारों की पीड़ा को महसूस करने को कहा जिन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में अपनों की जान गवाई है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से संबंधित नोडल एजेंसियाँ आपसी समन्वय बनायें। श्री सागर ने अपेक्षा की कि समस्त संबंधित एजेंसियाँ एकजुट होकर काम करें ताकि दुर्घटनाओं की रोकथाम प्रभावी ढंग से की जा सके और असमय होने वाली मृत्यु से लोगों बचाया जा सके।

नोडल एजेंसियाँ मिशन मोड में समर्पित भाव से कार्य करें

श्री सागर ने सड़क सुरक्षा के लिये सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार गठित समिति की नोडल एजेंसियों- परिवहन, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य, आबकारी एवं सड़क निर्माण से संबंधित विभागों से समर्पित भाव से कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सभी नोडल एजेंसियों का कर्त्तव्य है कि वे लोगों के जीवन को बचाने में अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। श्री सागर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को जानकर दुर्घटना से पहले ही रोकथाम के पर्याप्त उपाय सुनिश्चित करें। इससे दुर्घटनाओं में कमी लायी जाकर लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियाँ आवश्यक कार्य-योजना बनाकर कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। एडीजी श्री सागर ने कहा है कि जिला-स्तरीय समितियों को सड़क दुर्घटना स्थलों पर जाकर तत्परतापूर्वक क्रैश इन्वेस्टिगेशन करना होगा। इससे दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। साथ ही रोकथाम के समुचित उपाय किये जाने में आवश्यक सहायता मिल सकेगी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के चिन्हांकित ब्लैक-स्पॉट्स को हटाने के लिये उठाये गये सुधारात्मक कदमों की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर भेजने के निर्देश दिये।

यातायात प्रभारी अपनी जिम्मेदारी निभाएँ

एडीजी श्री सागर ने जिलों के यातायात प्रभारियों को जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए कहा कि यदि वे पूर्ण समर्पण से नियमानुसार कार्य करें, तो 80 प्रतिशत दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि ओव्हर-लोडिंग और ओव्हर-स्पीडिंग वाले वाहनों के साथ किसी भी प्रकार की रियायत नहीं बरती जाये। आवश्यक जाँच-पड़ताल करें, नियमानुसार कार्यवाही करें और लोगों को जागरूक करें। श्री सागर ने कहा कि पूर्ण कर्त्तव्यनिष्ठा से कार्य कर खाकी वर्दी का सम्मान बरकरार रखते हुए पुलिस के जन-सेवा के सूत्र वाक्य को सार्थक करें।

संपादकीय

चीनी उत्पादों का बहिष्कार जरूरी

इस साल दीपावली ने भारतीयों ने चीनी उत्पादों का बहिष्कार किया। हर साल दीपावली के अवसर पर चीनी उत्पादों की जमकर बिक्री होती थी चीनी पटाखे भी खूब बिका करते थे किन्तु इस बार न तो चीनी पटाखे लोगों ने खरीदे और न ही चीनी उत्पादों के प्रति अपनी दिलचस्पी दिखाई। नतीजतन चीन को इस बार दीपावली में 40 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। गौरतलब है कि दीपावली के पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आव्हान किया था। उन्होंने लोकल को ही वोकल बनाने की पुरजोर अपील की थी इसी का नतीजा है कि इस बार भाजपा शासित कई राज्यों में चीनी पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जिन राज्यों में चीनी पटाखों पर रोक नहीं थी वहां भी लोगों ने चीनी पटाखों से परहेज किया। वैसे भी कई राज्यों में किसी भी तरह के पटाखे चलाने पर रोक लगा दी गई थी और अधिकांश राज्यों में सिर्फ दो घण्टे का समय पटाखे चलाने के लिए निर्धारित किया गया था। इन बंदिशों के कारण भी पटाखे कम बिके और चीनी पटाखें तो बिलकुल ही नहीं बिके। भारतीयों के इस जज्बे को सलाम जिन्होने चीनी उत्पादों का बहिष्कार कर देश प्रेम की भावना का परिचय दिया है। यह जज्बा ऐसे ही बना रहना चाहिए भविष्य मे भी चीनी उत्पादों का बहिष्कार होना चाहिए क्योंकि सरकार व्यापारिक समझौतों से बंधी हुई है इसलिए वह चीन से आयात पर रोक नहीं लगा सकती लेकिन हम भारतीय उपभोक्ता चीनी उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं है इसलिए चीनी उत्पादों का बहिष्कार कर सकते है और उसकी जगह स्वदेशी उत्पादों को खरीद कर भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान दे सकते है। जिस तरह चीन भारत के खिलाफ सीमा विवाद के चलते साजिशें रच रहा है और पाकिस्तान को भारत के खिलाफ उकसा रहा है उसे देखते हुए चीन को सबक सिखाना जरूरी है चीन की कमरतोड़ का ही हम उसे सबक सिखा सकते है इसलिए चीनी उत्पादों का बहिष्कार आगे भी लगातार चलना ही चाहिए।

विचार

गैंग नहीं, सियासी पार्टियां

याद रखना चाहिए कि इस राज्य में उग्रवाद के चरम उत्थान के दिनों में भी ये पार्टियां न केवल चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी रहकर राज्य में सरकार चलाती रही हैं बल्कि इनके सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता आतंकी हमलों में मारे गए हैं और अलग-अलग समय में ये केंद्र सरकार का भी हिस्सा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन दलों के प्रमुख नेता कश्मीर को लेकर भारत के पक्ष का समर्थन करते रहे हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की स्थानीय राजनीतिक पार्टियों पर तीखा हमला बोलते कहा कि कांग्रेस और गुपकार गैंग जम्मू-कश्मीर को फिर से आतंक और उत्पात के दौर में ले जाना चाहते हैं। गुपकार गैंग से गृहमंत्री का मतलब उन पार्टियों से है जो गुपकार डिक्लेरेशन का हिस्सा हैं। नैशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, पीपल्स कॉन्फ्रेंस और सीपीआईएम ने मिलकर पीपल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) नाम का एक राजनीतिक मोर्चा बनाया है जो एक इकाई के रूप में राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ रहा है। कांग्रेस का इनके साथ घोषित तौर पर कोई समझौता नहीं है, लेकिन स्थानीय स्तर पर सीटों का तालमेल होने की चर्चा है।

चूंकि गुपकार डिक्लेरेशन से प्रतिबद्धता जताने वाला यह संगठन राज्य में अनुच्छेद 370 बहाल किए जाने की मांग करता है और फारूख अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती के कुछ तीखे बयानों पर विवाद भी हो चुका है, इसलिए भारतीय जनता पार्टी का उन पर खास तौर पर हमलावर होना स्वाभाविक है। लेकिन यहां मामला देश के गृहमंत्री के बयान का है। जम्मू-कश्मीर में प्रभाव रखने वाली मुख्यधारा की पार्टियों के एक मोर्चे को गैंग या अपराधियों के गिरोह के रूप में संबोधित करना उचित नहीं कहा जा सकता। याद रखना चाहिए कि इस राज्य में उग्रवाद के चरम उत्थान के दिनों में भी ये पार्टियां न केवल चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी रहकर राज्य में सरकार चलाती रही हैं बल्कि इनके सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता आतंकी हमलों में मारे गए हैं और अलग-अलग समय में ये केंद्र सरकार का भी हिस्सा रही हैं। अंतराष्ट्रीय मंचों पर इन दलों के प्रमुख नेता कश्मीर को लेकर भारत के पक्ष का समर्थन करते रहे हैं। आज भी ये स्थानीय चुनावों में पूरी शिद्दत से शामिल हो रहे हैं, चुनाव बहिष्कार की बात नहीं कर रहे। अगर ये दल राज्य में अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर अड़े हुए हैं तो उनकी इस मांग से सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन इसके साथ ही हमें यह याद रखना चाहिए कि भारत का संविधान और यहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की इजाजत देती है। आखिर अनुच्छेद 370 के लागू रहते हुए भी जम्मू-कश्मीर लंबे समय तक इस देश का अभिन्न अंग रहा है। सरकार और भारतीय जनता पार्टी यह कहती रही है कि अनुच्छेद 370 के तहत विशेष प्रावधान खत्म करने का फैसला राज्य की जनता के हित में किया गया है। चुनाव वह उपयुक्त मौका है जब पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को इस फैसले की खूबियां समझा सकते हैं और उन्हें समझाना चाहिए। इसके बजाय जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक संगठनों को आपराधिक गिरोह करार देने वाले सरकारी बयान इन्हें चुनाव प्रक्रिया से बाहर धकेलने का काम करेंगे। ऐसा हुआ तो उन तत्वों को मजबूती मिलेगी जो राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हाशिये पर डालकर लोगों को आतंकी रास्ते की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

छठ पूजा पर विशेष

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व छठ

योगेश कुमार गोयल

> इस पर्व की शुरूआत को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है।

पंच पर्व महोत्सव दीवाली के बाद प्रतिवर्ष प्रकृति की पूजा का महापर्व 'छठ' बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 20 नवम्बर को मनाया जा रहा है। सूर्य को एकमात्र ऐसा भगवान माना जाता है, जो वास्तव में हर किसी को दिखाई देते हैं और छठ पर्व पर सूर्य भगवान की ही पूजा होती है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाए जाने वाले इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को तथा समाप्ति कार्तिक शुक्ल सप्तमी को होती है और इस दौरान श्रद्धालु 36 घंटे का कठिन व्रत रखते हैं। छठ पूजा की शुरूआत चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है। अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ पर्व का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है। सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। चूंकि सूर्योपासना का यह महापर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। सही मायनों में यह आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व है।

उत्तर भारत और विशेषकर पर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का यह महापर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठी माता को सूर्य देवता की बहन माना जाता हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया संतानों की रक्षा करती हैं और उनको लंबी आयु प्रदान करती हैं। कहा जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से वह प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। प्रातःकाल में सूर्य

की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं।

छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात् प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। पर्यावरणविदों के अनुसार यह पर्व सबसे ज्यादा पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार है, जो नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने का प्रेरणा देता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों तथा अन्य जलाशयों के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को ऐसे जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। दरअसल धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे ही की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है।

छठ व्रत के संबंध में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में प्रियव्रत नामक एक राजा थे, जिनकी कोई संतान नहीं थी। इससे वे बेहद दुखी और चिंतित रहा करते थे। एक दिन राजा की महर्षि कश्यप से भेंट होने पर उन्होंने अपना दुख महर्षि कश्यप के समक्ष व्यक्त किया। महर्षि कश्यप ने पुत्र प्राप्ति के लिए उन्हें यज्ञ करने को कहा। राजा ने यज्ञ कराया, जिसके बाद महारानी मालिनी ने एक पुत्र को तो जन्म दिया लेकिन शिशु मृत ही पैदा हुआ। दुखी राजा ने मृत शिशु को श्मशान ले जाकर पुत्र वियोग में अपने प्राण त्यागने का भी निश्चय किया। तभी ब्रह्माजी की मानस कन्या देवसेना ने प्रकट होकर राजा से कहा कि हे राजन्! मैं सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण षष्ठी कहलाती हूं, आप मेरी पूजा करें तथा लोगों को भी मेरी पूजा के लिए प्रेरित करें। राजा ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया, जिसके फलस्वरूप उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। मान्यता है कि उसी के बाद छठ पूजा की परम्परा शुरू हुई।

इस पर्व की शुरूआत को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

नशे के काले कारोबार पर शिंकजा कसना होगा

डॉ. श्रीनाथ सहाय

> भारत में 1986 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की स्थापना हुई है जिसका मकसद देश में नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाना है। वहीं नशाखोरी की रोकथाम के लिए 1985 में नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रापिक एक्ट बनाया गया था। इस एक्ट को प्रभावी बनाने के लिए इसमें तीन बार संशोधन हो चुके हैं। 1998 में राष्ट्रीय मादक द्रव्य निवारण संस्थान की स्थापना का उद्देश्य भी देश में मादक द्रव्यों की मांग में कमी लाना है। मगर देश में नशे के खिलाफकड़े कानून व सुरक्षा एजेंसियों की सर्तकता के बावजूद ड्रग्स के करोड़ों रुपए के काले कारोबार के बढ़ते दायरे की जमीनी हकीकत होश उड़ाने वाली है।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मौत मामले में ड्रग्स कनेक्शन सामने आया है। उसके बाद से देशभर में नशे के कारोबार पर बहस का नया दौर शुरू हो गया है। भारत में नशे का कारोबार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। वालीबुड में नशे को लेकर रोजाना हो रहे खुलासे से लोग हतप्रभ है। नारकोटिक्स ब्यूरो बालीवुड में फैले इस काले कारोबार का खुलासा करने में जुटा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश के बड़े शहरों के अलावा छोटे शहरों और कस्बों में नशे का सामान सरेआम बिकता है। बताया जा रहा है मुम्बई में होने वाली पार्टियों में नशे का खुलकर प्रयोग हो रहा है विशेषकर नये कलाकार इसकी चपेट में आ रहे है।

युवा नशे की गिरफ्त में जल्दी आते हैं, ये खुला तथ्य है। स्कूल और कॉलेज के छात्रों में ड्रग और नशीली दवाओं का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। छात्र मारिजुयाना, एलएसडी, एटीएस और एमडीएमए जैसे ड्रग्स धड़ल्ले से ले रहे हैं। यही नहीं, कई बार वे कफसिरप और दर्दनाशक दवाओं का इस्तेमाल नशे के लिए करते हैं। युवाओं में ड्रग का प्रचलन पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया में बढ़ा है। एम्स में नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर (एनडीडीटीसी) के 2019 के एक सर्वेक्षण का अनुमान है कि देश में 3.1 करोड़ लोग मारिजुयाना का सेवन करते हैं। नशे के रूप में शराब, गांजा, जर्दा, ब्राउन.शुगर, कोकीन, स्मैक आदि मादक पदार्थों का प्रयोग करते हैं, जो स्वास्थ्य के साथ सामाजिक और आर्थिक दोनों लिहाज से ठीक नहीं हैं। नशे का आदी व्यक्ति समाज की दृष्टी से हेय हो जाता हैं, और उसकी सामाजिक क्रियाशीलता जीरो हो जाती हैं ,फिर भी वह व्यसन को नहीं छोड़ता हैं। शराब और अन्य मादक पदार्थों के सेवन से पेट और लीवर खराब होते हैं। इससे मुख में छाले पड़ सकते हैं और पेट का कैंसर हो सकता है। पेट की नलियों और रेशों पर इसका असर होता है, यह पेट की अंतडियों को नुकसान पहुंचाती है। इससे अल्सर हो जाता है, जिससे गले और पेट की नली में सूजन आ जाती है और

बाद में कैंसर भी हो सकता है इसी तरह गांजा और भांग जैसे पदार्थ इंसान के दिमाग पर बुरा असर डालते हैं। स्मोकिंग से फेफड़े में कैंसर होता हैं, वहीं कोकीन, चरस, अफीम लोगों में उत्तेजना बढ़ाने का काम करती हैं, जिससे समाज में अपराध और गैरकानूनी हरकतों को बढ़ावा मिलता हैं। इन नशीली वस्तुओं के उपयोग से व्यक्ति पागल और सुप्तावस्था में चला जाता हैं।

ड्रग्स का धंधा पूरी दुनिया में फैला है और भारत की भौगोलिक स्थिति उसकी सप्लाई में अहम भूमिका निभाती है। भारत हेरोइन और हशीश का उत्पादन करने वाले देशों के बीच में स्थित है। गोल्डन ट्रायंगल (थाइलैंड-लाओस-म्यांमार) और गोल्डन क्रीसेंट (अफगानिस्तान-पाकिस्तान-ईरान) के कई देशों की सीमाएं भारत से मिलती हैं। इसकी वजह से भारत में ड्रग्स को पहुंचाना आसान हो जाता है। वैसे तो कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है, पर एजेंसियों के अधिकारियों के अनुसार देश में हर साल करीब 10 लाख करोड़ रुपये का ड्रग कारोबार किया जाता है। यह आकलन एजेंसियों द्वारा जब्त की गई ड्रग्स और सूचना के आधार पर किया गया है।

भारत में विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों की कोई कमी नहीं है। यहां भांग, हशीश, चरस, कोकीन से लेकर डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं जैसे ट्रामैडॉल, कोडीन, डिजायनर ड्रग जैसे मेथाफेटामाइन, गोलियां जैसे याबा या जाबा- सभी प्रकार की ड्रग्स का इस्तेमाल धड़ल्ले से अवैध रूप से हो रहा है। भारत में विदेश से आने वाली अवैध ड्रग्स म्यांमार की सीमा से मणिपुर, मिजोरम पहुंचाई जाती है। इसी तरह पाकिस्तान से पंजाब, राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर में पहुंचती है। फिर, नेपाल से उत्तर प्रदेश और बिहार में पहुंचाई जाती है। इसके अलावा मैक्सिको, कोलंबिया से भेजी गई ड्रग्स ब्राजील, अफ्रीका, दुबई होते हुए अरब सागर के जरिए भारत में पहुंच जाती है। समुद्री तट पर पहुंचने के बाद गोवा और कर्नाटक के रास्ते देश के दूसरे इलाकों में भेजी जाती है। कई बार तस्कर हवाई रास्ते का भी इस्तेमाल करते हैं। भारत में कोकीन प्रमुख रूप से दक्षिण अमेरिका से कोक गैंग के जरिए आती है। यह गैंग नेपाल, दिल्ली, गोवा और मुंबई के बीच काम करता है। 1930 के दशक में गांधी जी ने 'हरिजन' तथा 'यंग इंडिया' नामक पत्रिकाओं के जरिए शराब को देश के लिए घातक बताकर इसका पुरजोर विरोध किया था। 'नशा मुक्त भारत' गांधी जी का एक सपना था, मगर आलम यह है कि आज देश की अर्थव्यवस्था में शराब अपना मजीद किरदार निभा रही है, जिसके चलते लोगों की शराब के प्रति दीवानगी और बढ़ रही है और दूसरी तरफ हमारी हुकूमतें 'नशा मुक्ति केंद्रों' की स्थापना भी कर रही हैं। समाज में पनप रहे विभिन्न प्रकार के अपराधों का एक कारण नशा भी है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जब तुम मिले कुछ

जब तुम मिले कुछ ऐसा हुआ, जैसे अनेकों जन्म साँसों में भर गए, जैसे मृत्यु की ओर आखिरी कदम से ठीक पहले, जिजीविषा जाग उठी हो अचानक, जैसे युगों पूर्व मुरझाई हुई आकांक्षाओं को, पुनर्जीवन प्राप्त हो गया हो, जब तुम मिले सरपट दौड़ा समय, चंद लम्हों में ही सही जिंदगी जी ली हमने।

– वर्षा वर्षिता श्रीवास्तव

हम आपके अपने हैं

हम आपके अपने हैं, झूठ-मूठ ही ऐसा दिखाने की कवायद से भी मुक्त कर गई, कोरोना काल की दीपावली. दूर रहने वालों की बात क्या करना, पड़ोसियों ने भी एक-दूसरे से सोशल डिस्टेंशिंग बनाए रखी और वाट्सएप से शुभकामनाएं देकर छुट्टी पा ली. वाह कोरोना.. तूने वो सच्चाई दिखा दी, जो शायद कभी नहीं दिखती।

– अनिल पाण्डेय

ख़ास पाती

बेशक तड़पता रहा है तू भी

बेशक तड़पता रहा है तू भी ये जानती हूँ मैं, अश्कों के सुनामी कितने देर रात तकिए के गिलाफ़ पर, जज़्ब करता है तू भी ये जानती हूँ मैं, कसकते दिल पर अपनी हथेलियों की हरारत मे मुझे ही तो महसूस करता रहा है तू भी ये जानती हूँ मैं, ख़ामोशी के इस आलम मे जुदाई के इस मौसम मे हर तन्हा लम्हे मे पल पल मुझसे ही बात करता रहा है तू भी ये जानती हूँ मैं, ये तेरा यूं यकबयक आकर मुझको बाहों में भरना जी भरकर मुझको प्यार करना बिलखकर मेरा, तेरे दामन मे पिघलना जुदाई की स्याह रातों में यही ख़्वाब बुनता है तू भी ये जानती हूँ मैं, अब रुबरू हैं हम तुम थरथराते लबों पे सवाल बेहिसाब लबों मे ही उलझे जवाब बेहिसाब अब सवाल ग़ुम, जवाब ग़ुम दो बुत मचल रहे आतिशे इश्क़ मे, न रोको , न टोको ये मिलन है लंबी जुदाई के बाद अब रात के आगोश में पिघल रहा है चाँद इश्क़ की तपिश से सूरज सा जल रहा है चाँद, अब जुदा न हों कभी ये सिलसिला चलता रहे न रहें मुंतज़िर वक्त के ये नूर यूं ही बरसता रहे यही सोच रहे हो तुम ये जानती हूँ मैं।

– नम्रता सरन सोना

परिवर्तन एक गहन प्रक्रिया है व्यक्तित्व के

परिवर्तन एक गहन प्रक्रिया है व्यक्तित्व के स्तर पर ये कई घटनाओं से घटे अनुभवों की श्रृंखला से समृद्ध होता है और स्थान समय और परिस्थितियों के स्तर पर समय के अनुसार रूप बदलता है और यही परिवर्तनशीलता इस संसार का एक मात्र अपरिवर्तनशील नियम हैतो इस उपलब्ध अस्थाई जीवन मे अंततः यहीं एकमात्र गम्भीरता से विचारणीय विषय है कि यहां गम्भीरता से विचारने योग्य है क्या ?

– कुलदीप वर्मा

जानते हो मेरे पहाड़ों पर चांदनी

जानते हो मेरे पहाड़ों पर चांदनी चीड़ों पर छन छन कर गिरती है और धूप उन पर टप टप टपकती है ..... वो बस मुस्कुराते रहते हैं ठीक उसी तरह एक रोज़ तुम मेरे लिए चीड़ हो जाना ... मुझे चाँद से धूप और धूप से चाँद लिखना है तुम पर । मुझे तुम पर पहाड़ी मुस्कान देखनी है... एक रोज़।

– कल्पना पाण्डेय

दर्द जब डूबकर दिल में विरह

दर्द जब डूबकर दिल में, विरह पर वार करते हैं। अश्रु तब छलछलातें हैं, नयन से प्यार करते हैं। विवश, बेकल सदायें तब, हृदय में कसमसाती हैं, साँस गिर-गिर के उठती हैं ,आह अभिसार करते हैं।

– किरण मिश्रा

क्या हुआ यदि चांद हूं मैं गगन

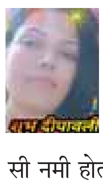

क्या हुआ यदि चांद हूं मैं गगन का श्रृंगार हूं मैं क्या हुआ? बहुत ऊंचे शिखर पर अक्सर ऑक्सीजन की कमी होती है बहुत पास आकर ,कदम अक्सर लौट जातें हैं उल्टें पांव परिणामतः धुली-धुली सी मेरी आंखों में एक रीती रीती सी नमी होती है।

– ममता अमर

दुर्योधन के पास हर सुख सुविधा

दुर्योधन के पास हर सुख सुविधा थी फिर भी वह अधर्मी व दुष्ट प्रवर्ति का हो गया । कुंती ने अभाव में भी पांडवों को अधर्मी व दुष्ट नहीं बनने दिया और धर्म अधर्म का भेद बताया । इसलिए बच्चों के श्रेष्ठ जीवन के लिए उनकी अच्छी व बुरी बात पर नजर रखें , गलत करने से रोकें।

– निरंजन 'नीर'

QUIZ TIME

1) क्षेत्र के संदर्भ में, छत्तीसगढ़ भारत काज्ज.. सबसे बड़ा राज्य है जम्मू-कश्मीर गठन के बाद।
2) धनकुल किस प्रकार के वाद्य है?
3) लॉकडाउन के दौरान मध्याह्न भोजन वितरण में छत्तीसगढ़ का कौन-सा क्रम है? (प्रथम / द्वितीय / तृतीय)
4) शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना का शुभारंभ कब किया गया?
5) छत्तीसगढ़ राजनीति के चाणक्य का नाम बताइए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) नौवाँ (2) तत वाद्य (3) प्रथम (4) 5 अगस्त, 2020 (5) दाऊ वासुदेव

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1750- मैसूर के शासक टीपू सुल्तान का जन्म। 1815 : यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया। 1866 : अमेरिका के वांशिगटन में हावर्ड विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। 1910- रूस के प्रसिद्ध लेखक लियोन टॉलेस्ट्वाय का निधन। 1917- यूक्रेन गणराज्य घोषित हुआ। 1917 : कलकत्ता (अब कोलकाता) में बोस अनुसंधान संस्थान की स्थापना की गयी। 1942 : ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा कब्जा किया। 1945- जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति। 1949 : इजरायल में यहूदियों की संख्या 10 लाख हो गयी। 1955 : पॉली उमरीगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की ओर से पहला दोहरा शतक लगाया। 1968- अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया। 1971 : स्पेन के तानाशाह जनरल फ्रैंको का निधन हुआ। 1975- स्पेन पर 39 वर्षो तक शासन करने वाले तानाशाह जनरल फ्रैंसिस?को फ्रैंको का निधन। 1981 : भास्कर उपग्रह को छोड़ा गया। 1984- प्रसिद्ध शायर फ़ैज़ अहमद का निधन। 1985 : माइक्रोसाफ्ट विंडोज 1.0 को जारी किया गया। 1989 : भारतीय महिला फ्रीस्टाइल पहलवान बबीता फोगाट का जन्म। 1997 : अमेरिकी अंतरिक्ष शटल यान 'कोलम्बिया' फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। 1998 : अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जारया का पहला माड्यूल जारी किया गया।

मुलाकात...

जबलपुर। आज नवप्रदेश कार्यालय पहुंचे कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव मनोज यादव जी ने संपादक जी से मुलाकात कर अखबार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नव प्रदेश अखबार ने कम समय में पहचान बना ली है

कोरोना ने उड़ाई प्रशासन की नींद, केंट में डोर टू डोर सर्वे शुरू

सीएमएचओ ने खुद संभाला मोर्चा

जबलपुर। (नव प्रदेश)

जिले में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीज वाले केंट, पनागर क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग का डोर टू डोर सवे गुरूवार से शुरू कर दिया गया है। कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम को लेकर संदिग्धों की सैम्पलिंग से लेकर उनके हेल्थ चेकअप व कांट्रेक्ट हिस्ट्री को भी टीमों द्वारा दर्ज किया जा रहा है। सुबह करीब 9 बजे कोविड के लिए बनाए गए कन्टेमेंट एरिया में टीमें अपने अधिकारियों के निर्देशन में सर्वे करने के लिए निकल पड़ी। वहीं जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. रत्नेश कुररिया, डीपीएम विजय पांडे सहित अन्य अधिकारियों के साथ किए जा रहे सर्वे को देखने के लिए पहुंचे। जहां पर सीएमएचओ डॉ. कुररिया ने कन्टेमेंट जोन पर कोविड की गाइड लाइन का सख्ती से पालन करने व लोगों को मास्क लगाने की हिदायत दी। साथ ही पनागर क्षेत्र के एक वार्ड में पूरे ब्लॉक की पूरी हेल्थ टीम इस काम में देर शाम तक जुटी रही।

बुजुर्गों का रखें विशेष ध्यान

टीमों ने सर्वे के दौरान लोगों से कहा है कि उनके घर में बुजुर्ग और बच्चे हैं तो उन्हें सबसे ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यदि बुजुर्ग को लक्षण दिखते हैं तो उन्हें होम आइसोलेशन नहीं बल्कि अस्पताल में भर्ती कराया जाए ताकि समय पर उन्हें स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जा सकें। स्वास्थ्य संबंधी कोई भी समस्या को छुपाएं नहीं बल्कि जानकारी दें ताकि रोगों की रोकथाम समय पर की जा सके।

सर्दी ने बढ़ाई टेंशन

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही एक बार फिर बढ़ रहे कोविड-19 के मरीजों ने जिला प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। बढ़ते संक्रमण के बीच आने वाले दिनों में शादीविवाह, चंडी मेला, पिकनिक का दौर शुरू होने वाला है। ऐसे में भीड़ को कंट्रोल करने के लिए प्रशासन स्थानीय स्तर पर नई गाइडलाइन सहित अधिक सख्ती बरतने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। हालांकि एक ओर जिले में कोरोना संक्रमण से मरीज मुक्त भी हो रहे हैं, लेकिन रोजाना बढ़ रही संख्या जिम्मेदारों को परेशान कर रही है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 12 हजार 657 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। इस सिलसिले में कल ही 38 मरीज डिस्चार्ज हुए हैं, लेकिन 60 नए मरीज भी मिल गए।

24 घंटे में बढ़ना चिंताजनक

1432 सेम्पल में 60 मरीज नए मिलना बड़ी बात नहीं मानी जा रही, लेकिन जानकार कह रहे हैं कि विगत दिनों घटे केस के बाद फिर बढ़ना ज्यादा चिंताजनक बात है। फिलहाल जिले का रिकवरी रेट 93.52 प्रतिशत हो गया है। बीते चौबीस घण्टे के दौरान आये 60 कोरोना संक्रमितों को मिलाकर जबलपुर में कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों की संख्या 13 हजार 533 हो गई है। इसी के साथ बीते चौबीस घण्टे के दौरान कोरोना से एक व्यक्ति की मृत्यु की प्राप्त हुई रिपोर्ट को मिलाकर जबलपुर में कोरोना से मृत होने वाले मरीजों की संख्या 215 हो गई है। जबलपुर में कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर 661 हो गये हैं।

जबलपुर-निजामुद्दीन के बीच आज से चलेगी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर। (नव प्रदेश)

पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों की मांग को देखते हुए त्योहारी सीजन में जबलपुर से निजामुद्दीन-जबलपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय किया है। यह पूर्णतः आरक्षित ट्रेन 11-11 ट्रिप के साथ चलेगी। इससे हजारों यात्रियों को न केवल सुगम यातायात मिलेगा, बल्कि बसों के इंतजार में सफर नहीं करने वालों को भी समस्या से निजात मिलेगी। रेलवे की इस घोषणा के बाद यात्रियों में खुशी देखी जा रही है। लोग रिजर्वेशन कराने बड़ी संख्या में स्टेशन पहुंच रहे हैं।

गाड़ी संख्या 02174/02173 जबलपुर से निजामुद्दीन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन 20 नवंबर से 30 नवंबर तक और वापसी में गाड़ी संख्या 02173 निजामुद्दीन से जबलपुर स्पेशल एक्सप्रेस 21 नवंबर से 1 दिसंबर तक प्रतिदिन चलेगी। इसमें एक वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, दो वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 4 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 11शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य श्रेणी एवं 2 एसएलआरडी सहित कुल 24 डिब्बे होंगे। ट्रेन मदन महल, श्रीधाम, नरसिंहपुर, करेली, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, होशंगाबाद, हबीबगंज, भोपाल, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, ललितपुर, झांसी, ग्वालियर, मुरैना, आगरा कैंट,

मथुरा, स्टेशनों पर रुकेगी।

इसी तरह इटारसी-भोपाल-इटारसी के मध्य पूर्णतया आरक्षित प्रतिदिन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन 11 ट्रिप के साथ चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 01271 इटारसी से भोपाल 20 नवंबर से 31 नवंबर तक प्रतिदिन और वापसी में गाड़ी संख्या 01272 भोपाल से इटारसी स्पेशल एक्सप्रेस 20 नवंबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन चलेगी। इसमें चार श्यनयान श्रेणी, 9 सामान्य श्रेणी, 2 एसएलआरडी सहित कुल 15 कोच रहेंगे। ट्रेन इटारसी, गुरामखेड़ी, सोहागपुर पिपरिया, बनखेड़ी, साली चौका, गाडरवारा, बौहानी, करेली, नरसिंहपुर, करकबेल, श्रीधाम, भिटोनी, मदन महल, जबलपुर, सिहोरा रोड, स्लीमनाबाद, कटनी मुड़वारा, दमोह, मकरोनिया, सागर, खुरई, बीना स्टेशनों पर रुकेगी।

खोवा, लडडू और दूषित नमकीन कराया नष्ट

जबलपुर। शुद्ध के लिए युद्ध और मिलावटखोरों पर सख्ती बरत रहा प्रशासन इस बार दीपावली के बाद भी नहीं रुक रहा है। चूंकि सरकार का भी इस बावद रुख स्पष्ट है इसका नतीजा जिला प्रशासन की टीम लगातार मिलावटखोरों पर कार्रवाई कर रही है। इसके चलते मिलावटखोरों में खलबली मची हुई है। शासन-प्रशासन की सख्ती और कोरोनाकाल के बावजूद दीपावली पर लाखों की असली-नकली मिठाई जिले में बिक गई है। फिर भी इस बार मिलावटखोरों के हौसलों में कमी आई है। खास बात यह है कि जिला प्रशासन द्वारा खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नगर-निगम और फूड, नापतौल सभी विभागों को इस काम में लगाया गया है। इसकी कमांड एसडीएम आशीष पांडे के हाथ में है। इसके चलते जिले में मिलावट से मुक्ति का अभियान लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सिहोरा स्थित कामधेनू स्वीटस भण्डार एवं विजय स्वीट्स के कारखाने का एसडीएम सिहोरा सीपी गोहल ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दूषित पाये जाने पर सात किलो खोवा, बीस किलो बेसन के लडडू, पचास पैकट नमकीन, दस पैकिट टोस्ट को नष्ट कराया। मिठाई एवं खोवा के सैम्पल भी लिए गए। तहसीलदार सिहोरा राकेश चौरसिया के दोनों प्रतिष्ठानों में मिठाई और नमकीन बनाने में घरेलू रसोई गैस सिलेण्डर का उपयोग किया जा रहा था। इन्हें जब्त कर लिया गया है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सिहोरा राकेश चौरसिया के अलावा नायब तहसीलदार मझगवां राहुल मेश्राम, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकुन्द झारिया, राजस्व निरीक्षक नजूल ए डी बडगैया, पटवारी जयकरण पटैल, शुभम निरंजन आदि उपस्थित रहे।

रेंज ऑफिस से हटाया गया विवादित डिप्टी रेंजर

वन कर्मियों से मारपीट करने का था आरोप

जबलपुर। (नव प्रदेश)

वन परिक्षेत्र कार्यालय से विवादित डिप्टी रेंजर को आखिरकार वन मंडल अधिकारी (डीएफओ) ने हटा ही दिया। जबलपुर में पदभार संभालने के बाद डीएफओ अंजना सुचिता तिर्की द्वारा की गई यह पहली प्रशासनिक सर्जरी है। दरअसल, उक्त डिप्टी रेंजर पर वन कर्मियों के साथ मारपीट करने का आरोप था। वहीं उसके व्यवहार से खिन्न होकर वन परिक्षेत्र जबलपुर की रेस्क्यू टीम के प्रभारी ने भी डीएफओ को शिकायत भेजी थी। जिसमें उन्होने पूर्व में हुई कई घटनाओं का हवाला देते हुए रेंज ऑफिस में खराब होते काम के माहौल से डीएफओ को अवगत कराया था। जानकारी के मुताबिक डीएफओ कार्यालय से 3 नवंबर को जारी हुए एक निर्देश के तहत जबलपुर रेंज कार्यालय में पदस्थ डिप्टी रेंजर दशरथ सिंह ठाकुर को परिक्षेत्र सहायक पडरिया कुण्डम भेज दिया गया है। वहीं अब्दुल फरीद परिक्षेत्र सहायक पडरिया कुंडम को वन परिक्षेत्र जबलपुर भेजा गया है। हालांकि इस फेरबदल के बाद भी काफी दिनों तक डिप्टी रेंजर दशरत सिंह इस जुगाड़ में लगे रहे कि उन्हें कुंडम न जाना पडें, लेकिन 17 नवंबर को उन्हें रिलीव कर दिया गया।

उपरोक्त कार्य आवंटन वन सुरक्षा तथा विभागीय कार्यों को सुचारू रखने की दृष्टि से किया गया है। जबलपुर में पदस्थ रहे डिप्टी रेंजर दशरथ सिंह को कुंडम वन परिक्षेत्र भेजा गया है। लिहाजा उन्हें 17 नवंबर को जबलपुर रेंज ऑफिस से कार्य मुक्त कर दिया गया है।

डीसी बडकरे,
वन परिक्षेत्र अधिकारी जबलपुर

गोपालबाग तलैया में मिली युवक की लाश

जबलपुर। गोपाल बाग स्थित सेठ जी की तलैया में सुबह-सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने लाश को पानी से निकालते हुए प्रारंभिक पूछताछ के बाद युवक की शिनाख्त मिलौनीगंज निवासी आशीष नामदेव के रूप में की है। पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि

नॉन एफएक्यू धान लाने वालों पर कराओ एफआईआर

जबलपुर। (नव प्रदेश)

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने धान उपार्जन व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर सभी खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने खरीदी केंद्रों पर चाक चौबंद व्यवस्था करने की हिदायत देते हुए कहा कि किसानों की आड़ में उपार्जन व्यवस्था का अनुचित फायदा उठाने की कोशिश करने वाले व्यापारियों अथवा बिचौलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा जरूरत पड़ने पर एफआईआर भी दर्ज कराई जाए। कलेक्टर ने बैठक में केवल एफएक्यू क्वालिटी का

धान ही खरीदने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। यदि खरीदी केंद्रों पर नॉन एफएक्यू का धान पाया जाए तो उसे जप्त कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कराई जाए। शर्मा ने कहा कि उपार्जन केंद्रों के लिए नियुक्त किए गए नोडल अधिकारियों को अपने संबंधित केंद्रों का नियमित भ्रमण करना होगा तथा उन्हें समिति प्रबंधकों, केंद्र प्रभारी एवं सर्वेयर से भी निरंतर संपर्क में रहना होगा।

16 केंद्रों पर खरीदी शुरू

बैठक में बताया गया कि किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए जिले में अभी तक 93 खरीदी केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसमें से 16 केंद्रों पर धान की खरीदी प्रारंभ हो गई और 17 किसानों से 261 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। अपर कलेक्टर राजेश बाथम एवं संयुक्त कलेक्टर नमः शिवाय अरजरिया भी मौजूद थे।

मिलर्स की भी ली बैठक

बैठक के पहले कलेक्टर शर्मा ने मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने मिलिंग के कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए धान उपार्जन की नई नीति के मुताबिक खरीदी केंद्रों एवं ओपन केंद्र से शीघ्र अनुबंध निष्पादित करने कहा। शर्मा ने मिलर्स को खरीदी केंद्रों को सिंगल यूज बारदाने भेजने के निर्देश भी बैठक में दिए।

5 डिग्री ऊपर रहा दिन-रात का पारा

जबलपुर। दशहरा पर जलवा दिखाने के बाद ठंडक गधे के सिर से सींग सी गायब हो गई है। मौसम विद हाल-फिलहाल अगले 2-3 दिनों तक ठंडक के लौटने की संभावना से इंकार कर रहे हैं। इधर दीवाली के पहले से सामान्य से ऊपर चल रहा तापमान का पारा गुरूवार को 5 डिग्री ऊपर तक चला गया। मौसम वेधशाला में मापा गया अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस मापा गया जो सामान्य से 5 डिग्री ऊपर रहा। यही हाल रात के रहे। सुबह रिकॉर्ड न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 5 डिग्री अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से 3-4 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रहीं हैं।

इंदिरा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया याद, विधायक-पार्षद रहे

जबलपुर। (नव प्रदेश)

'इंदिरा को किया याद, केन्द्र-प्रदेश पर निशाना'। कांग्रेस की गुरूवार सुबह सिविक सेंटर में आयोजित सभा का लब्बोलुआब यही रहा। कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। साथ ही राजनीतिक स्तर पर केन्द्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेसजनों का कहना था कि केन्द्र सरकार जो कुछ भी कर रही है, उसकी नींव श्रीमती गांधी ने ही रखी थी। सभी ने अपनी प्रिय नेता का भाव भरा स्मरण किया तो उनके सिद्धांतों पर चलने का संकल्प दोहराते हुए देश और पार्टी को मजबूत बनाने का

कार्यकर्ताओं ने बचाई लाज

फोटो-मनोज एंथोनी

आव्हान भी किया। बात ये रही है कि छोटे नेताओं का तो जमघट रहा, लेकिन जनप्रतिनिधि कहे जाने वाले बड़े और वे नेता जिनके कारण शहर में कांग्रेस जानी जाती है।

गिने-चुने हुए शामिल

आयोजन में नगर अध्यक्ष के अलावा सेवादल संगठक सतीश तिवारी सहित अनेक कांग्रेस जन उपस्थित थे। इंदिरा गांधी को याद करने आयोजन स्थल पर गिने-चुने नेता ही पहुंचे। यहां पर कांग्रेसी कहते रहे कि काश ऐसे आयोजनों में विधायक, पार्षद सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होते, तो सोने पे सुहागा हो जाता।

कार्रवाई — बाजार में धड़ल्ले से सप्लाई किया जा रहा था कलर मिला हुआ नकली मसाला

माढ़ोताल में नकली मसाले की फेक्ट्री सील, मिलावटखोर गिरफ्तार

जबलपुर। (नव प्रदेश)

माढ़ोताल के ग्राम औरिया स्थित वेयर हाउस में नकली मसाला बनाने का काम जोरों पर चल रहा था। अवैध फैक्टरी की सूचना मिलते ही खाद्य विभाग ने पुलिस के साथ मिलकर मौके पर दबिश देते हुए मसाले के नमूने कलेक्ट कर फैक्टरी को सील कर दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे ने एक लिखित प्रतिवेदन थाना माढ़ोताल में दिया गया कि ग्राम औरिया कटंगी वायपास गुप्ता वेयर हाउस में दीपक भोजक द्वारा आरती गृह उद्योग के नाम से मसाला फैक्टरी संचालित की जा रही है। जिसमें कलर मिलाकर मसाला तैयार किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने गुरुवार शाम 4 बजे आरती गृह उद्योग में दबिश दी। प्रतिष्ठान के प्रभारी का नाम एवं पद परिचय पूछने पर उसने अपना नाम दीपक भोजक बताया। प्रतिष्ठान के निरीक्षण के दौरान अखाद्य ऑयल, रेड कलर, औरेंज कलर, चावल और मसाले में मिलाने वाला कचरा तथा इनमें निर्मित हो रहे एजीयू ब्रांड के मिर्ची पाउडर, हल्दी पाउडर तथा धनिया पाउडर पाए गए।

निरीक्षण में पाया गया कि दीपक भोजक द्वारा चावल पीसकर उसमें कलर मिलाकर मसाले तैयार कर पैक कर बाजार में सप्लाई किया जाता था। मौके पर मिर्ची पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर व अपदृव्य के रूप में इस्तेमाल हो रहे अखाद्य आयल रेड कलर, औरेंज कलर, चालव और भूसी (छाना) के नमूने जांच हेतु लिए गए तथा मिर्ची पाउडर, हल्दी पाउडर व धनिया पाउडर जप्त कर विक्रेता दीपक भोजक को सुरक्षित अभिरक्षा में दिए गए। फैक्टरी की अनुज्ञप्ति न पाए जाने पर फैक्टरी को भी बंद करा दिया गया। कार्रवाई के दौरान सीएसपी रोहित काशवानी, नायब तहसीलदार गौरव पांडे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे, माधुरी मिश्रा, सारिका दीक्षित, टीआई रीना पांडे, एसआई मनोज चौधरी, आरक्षक शशिप्रकाश, दिनेश, प्रेमनारायण, संतोष आदि मौजूद थे।

ससुराल गए किसान के घर चोरों का धावा जेवर-नगदी पार

जबलपुर। (नव प्रदेश)

खितौला थानांतर्गत जयभवानी कॉलोनी निवासी एक किसान को अपने ससुराल जाना महंगा पड़ गया। सूने घर का फायदा उठाकर चोरों ने धावा बोलकर नगदी सहित जेवरात पार कर दिए। वापस लौटेने पर किसान ने जैसे ही अपने घर की हालत देखी उनके होश उड़ गए और उन्होंने तत्काल थाने पहुंचकर चोरी की एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि जयभवानी कॉलोनी में रहने वाले किसान प्रेम सिंह ठाकुर 17 नवंबर को पूरे परिवार के साथ मझौली सुनवानी स्थित अपनी ससुराल गए थे। दूसरे दिन जब वहां से वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ और घर फैला हुआ था। चोरी की शंका होने पर प्रेम सिंह ने जैसे ही अलमारी खोली तो उन्होंने देखा कि उसमें रखे 40 हजार रुपए नगद और हजारों रुपए के सोने-चांदी के जेवर गायब हैं।

फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस ने बताया कि प्रेम सिंह ठाकु र के घर में तो कैमरे नहीं लगे, लेकिन जय भवानी कॉलोनी के कई अन्य मकानों में कैमरे लगे हुए हैं। जिसकी फुटेज खंगालकर पुलिस उस रात वहां से गुजरने वालों की पतासाजी कर रही है। इसके अतिरिक्त पुलिस ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों से पूछताद भी शुरु कर दी है, ताकि जल्द से जल्द चोरों तक पहुंचा जा सके।

न्यूज गैलरी

गर्रा में 63 हजार रुपये का महुआ लाहन जप्त

बालाघाट (नवप्रदेश)। अवैध मदिरा विनिर्माण, परिवहन व विक्रय के रोकथाम हेतु कलेटर श्री दीपक आर्य के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के तहत 19 नवंबर को जिला आबकारी अधिकारी विनोद खटीक के मार्गदर्शन मे मुखबिर की सूचना के आधार वृत वारासिवनी में ग्राम गर्रा के पीछे नहर किनारे एवं अलग अलग तालाब के अंदर छुपाकर रखे अलग अलग स्थानों से 35 प्लास्टिक बोरियों भरे कुल 1050 किलो ग्राम हाथ भट्टी कच्ची शराब बनाने हेतु तैयार लाहन जप्त कर नष्ट किया गया। जप्त महुआ लाहन की अनुमानित कीमत 63 हजार रुपये हैं। महुआ लाहन का सैंपल लेकर महुआ लाहन मौके पर नष्ट किया गया। आसपास संद्धिग्ध आरोपियों की तलाश करने पर कोई भी नही मिलने पर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत तीन प्रकरण कायम कर प्रकरण विवेचना में लिया गया है।

बोनकट्टा-तिरोड़ी डायवर्टेट मार्ग से होगा आवागमन

कटंगी (नवप्रदेश)। क्षेत्र में रेलवे का कार्य प्रगति पर है, जिसमें छोटे -छोटे पुल निर्माण कार्य पूर्ण हो चूके है और बड़े पुल का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसमें खजरी बाईपास के पास रेलवे द्वारा कटंगी-तिरोड़ी ब्राडगेज निर्माण कार्य के अंर्तगत ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ है। इस मार्ग को बंद कर बोनकट्टा-तिरोड़ी मार्ग के यातायात को बाइपास में परिवर्तित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मार्ग आगामी एक माह तक बंद रहेगा। रेल विभाग द्वारा पूर्व में प्रशासन से मार्ग को लॉक करने की अनुमति मांगी गई थी जिसे प्रशासन की अनुमति मिलते ही गुरूवार को मार्ग लॉक कर 400 मीटर के डायवर्सन से आवागमन चालू कर दिया गया है।

बालाघाट में मिष्ठान भंडारों का आकस्मिक निरीक्षण

बालाघाट (नवप्रदेश)। खाद्य पदार्थों में मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत कलेटर दीपक आर्य के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा 19 नवंबर को बालाघाट शहर बस स्टैंड स्थित सती माता मिष्ठान भंडार, स्टेट बैंक के सामने स्थित वैशाली राजपुरोहित, इतवारी बाजार स्थित भगवती राजपुरोहित मिष्ठान भंडार एवं हनुमान चौक स्थित कांति स्वीट्स पर जांच निरीक्षण की कार्यवाही की गई तथा विभिन्न प्रकार की मिठाइयों की भौतिक रूप से जांच की गई मैजिक बॉस की सहायता से कुल 43 नमूनों की जांच की गई। इस कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे, वाजिद मोहिब, शरद चंद्र साहू एवं श्रीमती संध्या मार्को शामिल थी।

खलिहान में तब्दील हुआ खेल मैदान

कटंगी (नवप्रदेश)। क्षेत्र के ग्राम पाथरवाड़ा में लाखों की लागत से निर्मित खेल मैदान मंडई स्थल पर अस्थाई अतिक्रमण से गोवारी समाज ने रोष व्यक्त किया है। बताया कि जनपद पंचायत कटंगी के अंर्तगत आने वाली ग्राम पंचायत पाथरवाड़ा में शासकीय खेल मैदान एवं मंडई स्थल पर अस्थाई अतिक्रमण होने से ग्रामीणों को खेल एवं मंडई मेले के आयोजनों में दिक्क तों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त स्थल पर ग्राम के ही कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर खलिहान बनाकर धान की गहानी करते है, जिससे खेल मैदान का अस्तित्व ही समाप्त होता प्रतित हो रहा है। दरअसल इस खेल मैदान में ही मंडई का आयोजन होता है, ऐसे में मंडई मैदान में अतिक्रमण होने से मंडई संचालन मे परेशानी हो रही है वहीं इस स्थान पर होने वाली पूजा का स्थान तक बदल दिया गया है। उन्होंने बताया इस संबंध में पंचायत को जानकारी होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हो रही है, कुछ साल पहले ही लाखों रूपये की लागत से इस खेल मैदान का निर्माण कराया गया था। ग्राम पाथरवाड़ा के ग्रामीणों ने खेल मैदान के अतिक्रमण और खलिहान को हटाने की मांग पंचायत प्रतिनिधि से की है।

निकाय चुनाव की सुगबुगाहट के बीच सत्ता-संगठन और बाहरी पर सस्पेंस बरकरार

वारासिवनी की राजनीतिक पिच पर अबूझ गुगली

बालाघाट (नवप्रदेश)। वारासिवनी क्षेत्र बालाघाट जिले की राजनीतिक हलचल का केन्द्र अक्सर रहा है। यहां सियासी गठजोड़ बनते और बिगड़ते है और कभी बाहरी तो कभी भीतरी शक्ति मुखर होते भी देखी गई है। वारासिवनी की सियासत में क्रिकेट का तड़का भी लगता है। वैसेभी देश की राजनीति भी क्रिकेट से प्रेरित रहा करती है। राजनीति और क्रिकेट में अधिक फर्क मालूम नहीं पड़ता। क्रिकेट के महारथी राजनीति के धुरंधर बनकर अक्सर राजनीतिक पिच पर मैदान मारने उतरते है। अभी हालही में आईपीएल और बिहार चुनाव, मध्यप्रदेश उपचुनाव साथ-साथ नतीजों तक पहुंचे है। देश में खासियत यह भी है कि क्रिकेट हो या राजनीतिक चुनाव दोनों का नशा उतरते-उतरते ही उतरता है, अब इसे क्रिकेट का बुखार कहिये या राजनीति का खुमार दोनों ही ठीक है। वारासिवनी विधानसभा भी क्रिकेट की कद्रदान रही है और क्रिकेट में चौको-छक्कों से हतप्रभ करने वाले खिलाड़ी पहले सत्ता के मध्य और अब सत्ता के किनारे तक देखे जा सकते है। निकाय चुनाव की सरगर्मी बढ़ने जा रही है ऐसे में भाजपा के भीतर सियासी पशोपेश अधिक है वारासिवनी ने जिस तरह विधानसभा चुनाव के दौरान जिले की जनता का सियासत की ओर रूख मोड़ा था वही नौबत अब निकाय चुनाव में भी बन सकती है। भाजपा के लिये सत्ता-संगठन और बाहरी तीनों चुनौतियां एक साथ है और इसमें किस तरह सामंजस्य बनेगा यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन चुनावी सरगर्मी अभी से रोचक है।

क्रिकेट के मैदान से सियासत के अखाड़े तक प्रदीप जायसवाल

क्रिकेट अपने आप में खुमार वाला खेल है और जब यह खेल सियासत का दखल बनता है तो इसमें खिलाड़ी से वही प्रदर्शन की उम्मीद होती है जैसी खेल के मैदान में। वारासिवनी में कभी कांग्रेस की टिकिट पर चुनाव जीतते आये प्रदीप जायसवाल को पार्टी ने बीते चुनाव में किनारे कर दिया था और वे निर्दलीय ही मोर्चे पर डट गये थे, जिसमें उनके साथ क्षेत्रीय संवेदनाएं जुड़ी और उन्हें जीत के रूप में कामयाबी भी मिली। कांग्रेस हाशिये पर रही लेकिन भाजपा को भी जीत के लिये संघर्ष करना पड़ा। सत्ता बनते ही कांग्रेस ने निर्दलीय प्रदीप की पूछपरख की और उन्हें खनिज मंत्री बना दिया। सत्ता परिवर्तन हुआ तो प्रदीप ने राजनीतिक दायरा सिकुड़ता देख भाजपा को समर्थन कर दिया और इसका प्रतिफल रहा कि भाजपा ने उन्हें खनिज निगम अध्यक्ष बनाया है। इस पूरे सियासी उतार-चढ़ाव में देखा जाये तो प्रदीप जायसवाल का कद बढ़ा है और साथ ही भाजपा का संघर्ष दोगुना हो चला है। निकाय चुनाव की बिसात अब बिछने जा रही है प्रदीप जायसवाल ऐसे नेता है जिन्होंने वारासिवनी नपा में अपनी धर्मपत्नी स्मिता जायसवाल और फिर इसके बाद हुये नपा चुनाव में दमदारी के साथ अपने समर्थक विवेक विक्की पटेल को नपा का चुनाव जीताकर अध्यक्ष बनाया है। अब वारासिवनी का चुनावी परिदृश्य भाजपा और बाहरी के इर्द-गिर्द है तो ऐसे में भाजपा अपना दांव चलेगी या भाजपा के भीतर बाहरी को लेकर एक धड़े में उमड़ते विरोधाभास के बीच पूर्व के चुनावों में किंगमेकर रहे प्रदीप जायसवाल की भूमिका क्या होगी इस पर सस्पेंस है।

गौरव का भाजपा में सिकुड़ता दायरा

वारासिवनी की राजनीति में कभी युवा के तौर पर पहचान स्थापित करने वाले गौरवसिंह पारधी अब भाजपा में अपने सिकुड़ते दायरे को बढ़ाना चाहते है। बीते विधानसभा चुनाव में पार्टी से टिकिट ना मिलने पर उन्होंने बगावत कर ली थी और सीएम शिवराज के समझाने पर भाजपा में जैसे-तैसे वापसी मिली थी। आगामी समय में जब भी चुनावों का जिक्र होगा तो वैसे भी उन्हें तीसरे क्रम में आंका जायेगा क्योंकि भाजपा अपने प्रभावशील चेहरे पूर्व विधायक योगेन्द्र निर्मल को दरकिनार करने का विचार नहीं करेगी। वहीं प्रदीप जायसवाल की बैकडोर से भाजपा में एंट्री होगी तो फिर विधानसभा चुनाव में टिकिट को लेकर पेंच फंसना तय है ऐसे में गौरवसिंह का नम्बर आ पाएगा इसकी गारंटी भी कम है।

राजा ने गढ़े समाजसेवा के नये आयाम

जन्मदिन आज : जनसेवा और समस्याग्रस्तों की मदद करने की इस युवा में ललक की अनूठी मिसाल

बालाघाट (नवप्रदेश)।

देश का इतिहास रहा है कि युवाओं ने देश की दशा और दिशा बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। चाहे आजादी के क्रांतिवीरों को ले लीजिये या फिर सामाजिक परिवेश में गरीब एवं वंचित वर्गो के बीच अपनी कार्यशैली से प्रभावित करने वाले युवाओं के कार्यो को देश हमेशा सराहता है। ऐसी ही बालाघाट जिले के एक युवा राजा लिल्हारे ने बचपन से युवा अवस्था तक समाजसेवा के जो आयाम गढ़े है वो आज एक अनुकरणीय मिसाल माने जा सकते है। उन्होंने सामजिक एवं राजनीतिक दृष्टिकोण से अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनके लिये समाजसेवा एक जुनून है और जज्बा है जिससे उनकी भूमिका और व्यक्तित्व का दायरा और बढ़ता ही चला जा रहा है और आज उनके 30 वें जन्मदिन पर उनके चाहने वाले हर्षित है अपने चहेते और सर्वमान्य युवा व्यक्तित्व को बधाई प्रेषित कर रहे है।

राजा लिल्हारे के जीवन में समाजसेवा की अलख जगाने में उनके परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। बचपन से ही पिता का साया सिर से उठने के बाद उन्होंने अपने आप को दीन-दुखियों औ समस्याग्रस्तों के उत्थान की दिशा में मोड़ दिया। कई उतार-चढ़ाव आये लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार सेवाभावी कार्यो में बने रहे। 20 नवंबर 1990 को जन्मे राजा का परिवार प्रमुखतः कृषि कार्यो में जुड़ाव रखता है और उनके दिवंगत पिता संतराम लिल्हारे का आकस्मिक निधन हो जाने के बाद उन्हें उनके पितातुल्य बड़े पिताश्री मेहतरलाल लिल्हारे का भरपूर साथ मिला। पारिवारिक विकट परिस्थितियों में राजा ने शिक्षा को महत्व दिया और शिक्षित होने के लिये पढ़ाई को निरंतर जारी रखा। कम्प्युटर सांईस में बीएससी करते हुए उन्होंने हर बाधाओं को पार किया। उनके परिवार में माता श्रीमती कमला लिल्हारे गृहणी है और दो छोटे भाई तथा बहन है जिनके लिये भी राजा का जीवन कई मायनों में प्रेरणादायी साबित हो रहा है।

समस्या के निराकरण को बनाया लक्ष्य

सामाजिक समस्याओं और गरीब तथा पीड़ितों की मदद में आनंद की अनुभूति होती है यही वजह है कि कई समस्याओं को लेकर वे निराकरण के लिये आंदोलनरत भी हुये। सही मायने में राजा ने उन लोगों की आवाज बनने का काम किया जो पीड़ित थे शोषित थे। अपने अधिकारों के लिये संघर्ष नहीं कर पा रहे थे ऐसे में राजा उनके लिये मददगार की भूमिका में तब भी दिखाई पड़ते थे और आज भी हर वर्ग के उत्थान और सेवा के लिये तत्पर बने रहते है। अखिल भारतीय लोधा-लोधी महासभा मप्र के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष एवं संभागीय अध्यक्ष अखिल भारतीय लोधी प्रगतिशील महासभा मप्र के अध्यक्ष के तौर पर भी कार्य कर रहे है।

सेवाभावी कार्यो की अनुकरणीय मिसाल

सामाजिक और राजनीतिक तौर पर राजा का भविष्य उज्जवल है क्योंकि वे उन लोगों के लिये संघर्ष करते है जिनकी आवाज कहीं खो जाती है और यही वजह है कि राजनीतिक और सामाजिक दोनों ही क्षेत्र में राजा की कार्यशैली प्रभावित करती है।

राजा के उल्लेखनीय कार्यो में परसवाड़ा क्षेत्र की सभी प्रमुख समस्याओं को गंभीरता से लेकर उसका निदान कराने प्रयत्नशील होना तथा लोधी समाज के छात्रावास के लिये जमीन दान कर सेवाभावी कार्य करना यह बेहतरीन कार्य रहे है। इसके लिये उन्होंने मरीजों के सेवार्थ निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा की सौगात दी थी तथा अब भी शासकीय स्कूलों में शिक्षण सामग्री एवं फर्नीचर एवं विद्यार्थियों को जो भी शैक्षणिक सामग्री की आवश्यकता पड़ती है तो राजा को इन कार्यो में तत्पर देखा जाता है। देखा जाये तो सामाजिक, राजनीतिक, खेल, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आदिवासियों के परंपरागत कार्यो में कुछ कर गुजरने की तमन्ना राजा के दिल में है और यही वजह है कि मन के भी राजा और कार्यो से भी राजा की तरह अपना योगदान देने वाले इस युवा को जन्मदिन की खुशी में ढ़ेरों बधाईयां मिल रही है और उनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना लिये उनके चाहने वाले उनका आत्मीय अभिनंदन

भूमि कब्जा दिलाने महिला ने लगाई गुहार

कचनारी (नवप्रदेश)।

बिरसा तहसील अंतर्गत मानेगांव निवासी एक महिला ने अनुविभागीय अधिकारी बैहर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर राजस्व रिकार्ड के अनुसार निर्धारित उसके हक की भूमि पर कब्जा दिलाये जाने की मांग की है। आवेदन में शिकायतकर्ता महिला भागनबाई पति अन्तु निवासी मानेगांव तहसील बिरसा जिला बालाघाट ने बताया कि उसके हक मालिकी कब्जे की भूमि मौजा मानेगांव पहन. 40 सनिम. दमोह तहसील बिरसा जिला बालाघाट खसरा नम्बर 57/14 रकबा 0.1147 हेक्टे. भूमि स्थित है। उक्त भूमि के राजस्व रिकार्ड में कम दर्शाया गया है लेकिन भागनबाई द्वारा उक्त भूमि का नाप करवाने के उपरांत मौके पर 0.162 हेक्टे भूमि पायी गयी है। जिस पर रामप्यारी पति तेजराम द्वारा कब्जा किया गया है।

ज्ञात हो कि इसके पूर्व प्रशासन द्वारा उसे उसके हक की भूमि का कब्जा दिलाये जाने के आदेश हुए थे लेकिन अब तक उसे कब्जा नहीं सौंपा गया है। जिसको लेकर भागनबाई द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैहर के समक्ष लिखित शिकायत प्रस्तुत कर कब्जा दिलाये जाने की मांग की गई है। इस प्रकरण में तहसीलदार बिरसा द्वारा भागनबाई को कब्जा दिलाये जाने के आदेश 24 जनवरी 2020 को जारी किये गये थे। जिसमें पटवारी की भूमिका संदेहास्पद दिखाई पड़ती है। जबकि तहसीलदार बिरसा द्वारा आदेश जारी कर महिला को कब्जा सौंपे जाने के स्पष्ट निर्देश दिये थे लेकिन अब तक उसके अधिकार क्षेत्र की भूमि पर कब्जा न मिल पाना कई आशंकाओं को जन्म देता है।

बिरसा वनपरिक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ मनाया दीपोत्सव पर्व

बिरसा (नवप्रदेश)।

उत्साह और उमंग के पावन पर्व दीपावली वन परिक्षेत्र बिरसा में खुशियों के साथ मनाई गई। जिसमें वन परिक्षेत्र बिरसा के अंतर्गत सहायक डिप्टी रेंजर पंकट रिछारिया ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ मनाई जिसमें वन समिति के सदस्यों को रेनकोट, जर्किन एवं मिठाईयां बांटकर दीपोत्सव पर्व की शुभकामनाएं दी। उसी प्रकार वन परिक्षेत्र सहायक सालेटेकरी द्वारा सुरक्षा सहयोगियों को आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। और दीपोत्सव पर्व की

एक ने रखी प्रशासन की लाज तो दूजे ने करार दिया झूठा आश्वासन

दो अलग-अलग स्थानों पर भूख हड़ताल तुड़वाने पंहुचा सीईओ और तहसील प्रशासन का अमला

लांजी। तहसील मुख्यालय लांजी अंतर्गत 02 अलग-अलग ग्राम पंचायतों में भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को मनाने के लिए लांजी से जनपद सीईओ रंजित ताराम और तहसीलदार आर.पी. मार्को अपने अमले के साथ क्रमषः बम्हनवाड़ा और कारंजा ग्राम पंहुचे लेकिन उनका प्रयास 1 हड़ताली को संतुष्ट कर पाया तो दूसरा मानने के लिए तैयार ही नही है। बम्हनवाड़ा और कारंजा दोनो ही स्थानों पर प्रशासनिक अमला मौका निरीक्षण पर पंहुचा इस दौरान जनपद सीईओ ताराम और तहसीलदार मार्को के अलावा स्थानीय ग्राम पंचायत के जिम्मेदार, पटवारी व चिकित्सक मौजूद रहे। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार वहीं कारंजा मुख्यालय में जमीन के गलत बंटवारे पर पटवारी व अन्य के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठे बापड़ी निवासी घनष्याम बनोठे को मनाने भी स्थानीय प्रषासन मौके पर पंहुचा और काफी मान मनौव्वल के बाद भी घनष्याम बनोठे के इरादे को डिगा नहीं पाए बल्कि घनष्याम बनोठे ने इस बार मिले प्रषासनिक आष्वासन को यह कहकर ठुकरा दिया कि उसे झूठे आष्वासनों पर भरोसा नहीं है। जबकि दूसरे मामले में बम्हनवाड़ा निवासी ज्ञानीराम मरठे क्षतिपूर्ति मुआवजे व स्टॉप डेम तुड़वाने की मांग को लेकर बुधवार 18 नवंबर से अनिष्चितकालीन आमरण अनषन पर बैठ गया साथ ही उसने शासन-प्रषासन को इसका जिम्मेदार मानते हुए आत्मदाह का भी निर्णय ले लिया

था। लेकिन गुरूवार को प्रषासनिक अधिकारी मौके पर पंहुचे और ज्ञानीराम मरठे को डेम का पानी रोकने ताकि उसका खेत उक्त पानी से प्रभावित ना हो और शासन निर्धारित मुआवजा देने का आष्वासन देकर आमरण अनषन तुड़वाया।

ये हे दोनो मामले

तहसील मुख्यालय अंतर्गत आने वाले ग्राम बम्हनवाड़ा थाना बहेला क्षेत्र निवासी ज्ञानीराम पिता मोहन मरठे के खेत से लगकर ग्राम पंचायत बम्हनवाड़ा द्वारा स्टॉप डेम का निर्माण करने से उक्त किसान का खेत लगातार 02 वर्ष से पानी में डूब जाता है जिसके चलते किसान को प्रतिवर्ष लगभग 50 हजार रूपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। बम्हनवाड़ा पंचायत द्वारा उक्त स्टॉप डेम का निर्माण किए 02 वर्ष हो चुके है मतलब किसान को इन 02 सालों में लगभग 01 लाख रूपए की हानि उठानी पड़ी है। तो वहीं बापड़ी निवासी 50 वर्षीय घनष्याम पिता स्व. बलोकचंद बनोठे कारंजा मुख्यालय में भूख हड़ताल पर बैठे है।

दोपहिया वाहन हुआ अनियंत्रित, 3 घायल

लांजी (नवप्रदेश)।

मंडई मेलों का दौर शुरू हो चुका है और संपूर्ण अनलॉक के बाद लोगों में कोरोना का भय लगभग समाप्त सा हो गया है जिसके चलते आवागमन में वृद्धि हुई है। लोग मंढई का आनंद लेने के लिए दूसरे गांव अपने रिष्तेदारों के घरो में मेहमान नवाजी के लिए पंहुचने लगे हैए ऐसे ही पौसेरा मंढई के लिए जा रहे 03 लोग सड़क हादसे का शिकार हो गए। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार 19 नवंबर को दिलीप सहारेए सर्जन मातरे एवं डेमेष्वर मातरे तीनों मलाजखंड से सीडी डिलक्स होंडा बाईक पर सवार होकर लांजी जनपद अंतर्गत आने वाले ग्राम पौसेरा में मंढई देखने के लिए आ रहे थे कि अचानक सड़क की मोड़ पर उनकी बाईक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस सड़क हादसे में तीनों ही बाईक सवार को चोट आई है किंतु डेमेष्वर मातरे अधिक जख्मी है। प्राप्त जानकारी में यह बात सामने आई है कि तीनो जख्मी जिस बाईक पर सवार होकर पौसेरा जा रहे थे सड़क की मोड़ पर वह अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे स्थित एक पेड़ से जा टकराई परिणाम स्वरूप तीनो बाईक सवार जख्मी हो गए।

सिर में पत्थर पटककर और धारदार हथियार से दादा की हत्या

मोहगांव थाना के अंतर्गत पत्थर पटककर अपने दादा की हत्या करने वाले आरोपित नाती को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। मृतक का नाम सुकलसिंह मरकाम 65 वर्ष ग्राम ठेभा गांगोटोला मोहगांव निवासी बताया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मृतक सुकल सिंह जादू टोना करता था। आरोपित पोते राजेंद्र मरकाम 27 वर्ष को उस पर शक था। 14 नवंबर की रात दीपावली को जैसे ही वह घर से बाहर निकला था। नाती ने दादा के सिर पर पत्थर पटककर लहूलुहान कर दिया और एक धारदार हथियार से उसका आधा गला रेत दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

Á»Î| ÁôÙ| -¤ à»-¤ ×| -¤è ã˜Ø»

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत द्वारा थाना प्रभारी मोहगावं को तत्परता से कार्यवाही करते हुए अज्ञात आरोपी की तलाश हेतु विशेष टीम का गठन कर जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए। प्रकरण की विवेचना के दौरान घटनास्थल से मिले सबूतों तथा अन्य साक्ष?यों के आधार पर थाना मोहगांव पुलिस द्वारा मृतक सुकलसिंह के पोते संदेही राजेन्द्र मरकाम को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई। पुलिस द्वारा पूछताछ में राजेन्द्र मरकाम द्वारा अपना जूर्म स्वीकार करते हुए बताया कि मृतक सुकल सिंह मरकाम जादू टोना करता जिससे परिवार के लोग काफी दिनो से परेशान थे। मृतक सकुलसिंह परिवार से अलग झोपडी बनाकर खेत में रहता था। दीपावली के त्यौहार के दिन मृतक सुकल सिंह मरकाम के टिकराटोला तरफ जाने की जानकारी मिली। नाती राजेन्द्र मरकाम ने सुकल सिंह को मारने की योजना बनायी और अपने घर के सदस्यो के सो

■ न्यूज गैलरी

होटल मैनेजर कमरे में लगा टीवी बेचकर हो गया फरार

रायपुर। लॉकडाउन के दौरान मैनेजर मालिक को बताये बिना होटल में लगे 6 नग टीव्ही बेचकर फरार हो गया। घटना की रिपोर्ट 18 नवंबर 2020 को तेलीबांधा थाने में दर्ज की गई है। ब्लॉक नंबर 210 संत चंदूलाल दरबार नागपुर (महाराष्ट्र)निवासी जीतू सावलानी 38 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि प्रार्थी का दो होटल चोकरधानी नाम से रायपुर व नागपुर में है। वह नागपुर वाले होटल में रहता है तथा रायपुर तेलीबांधा स्थित चोकरधानी होटल की देखभाल के लिये मैनेजर अमित एसकड़े आयु 40 वर्ष पिता विनोद यसकड़े निवासी सुरेन्द्रनगर नागपुर महाराष्ट्र को 40 हजार रुपयें वेतन प्रतिमाह पर रखा हुआ था। लॉकडाउन होने की वजह से गाड़ी नही चलने के चलते लंबे समय से पीड़ित रायपुर स्थित होटल नही आ पाया था। इसी बीच अमित एसकड़े ने मौके का फायदा उठाते हुए बिना बताये चोकरधानी होटल तेलीबांधा में लगे 6 नग टीवी निकालकर 72 हजार रुपयें में बेच दिया व रुपयें लेकर नौकरी छोड़ फरार हो गया। पीड़ित को नागपुर से रायपुर आने के बाद घटना की जानकारी हुई जिसके बाद 18 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज करायी है।

प्रतिबंधित सिरप लेकर आ रहा युवक गिरफ्तार

रायपुर। प्रतिबंधित सिरप के साथ पुलिस ने एक बाईक सवार युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 100 एमएल शीशी में भरी 85 नग कफ सिरप जब्त कर मोटरसाइकिल जब्त कर लिया है। राजेन्द्रनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अन्नाहोटल पचपेड़ीनाक के पास एक बाईक सवार युवक को प्रतिबंधित सिरप लेकर जाते पकड़ा है। बाईक का तलाशी लेने पर डिक्की के अंदर प्रतिबंधित कफ सिरफ 100 एमएल शीशी में भरा 85 नग कोससक्स कंपनी का मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाही कर बाईक व सिरफ जब्त कर लिया है।

बाईक से युवक फिसलकर गिरा, मौत

रायपुर। मोटरसाइकिल से जाते समय फिसलकर गिरने से एक व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां इलाज के दौरान मौत हो जाने माना कैम्प पुलिस ने जांच के बाद बाईक सवार के खिलाफ मर्ग कायम कर अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 30 सितंबर को सड़क हादसे में बाईक सवार शुभम निर्मलकर आयु 24 वर्ष पिता खेलूराम निर्मलकर निवासी नवागांव पलौद रायपुर अपने मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एचव्ही 1574 से जाते समय अनियंत्रित होकर डिवाईडर से टकरा गया।

छत्तीसगढ़ की खनिज सम्पदा प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों की आर्थिक उन्नति का जरिया बने : भूपेश

0 मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के नए कार्यालय का किया उद्घाटन

0 खनिजों में वेल्यु एडिशन के अधिक से अधिक उद्योग प्रदेश में ही लगाने के प्रयास किए जाएं

0 खनिजों से मिलने वाले राजस्व में वृद्धि हो और लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिलें

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों की आर्थिक उन्नति का जरिया बनाने की एक बड़ी जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम की है। खनिज विकास निगम का यह प्रयास होना चाहिए कि प्रदेश में खनिज आधारित वैल्यू एडिशन के अधिक से अधिक उद्योग लगें, जिससे प्रदेश के राजस्व में वृद्धि हो और साथ ही लगने वाले नए उद्योगों में लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलें। मुख्यमंत्री बघेल आज नवा रायपुर के सेक्टर-24 में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के नए कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, विधायक धनेन्द्र साहू, राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार द्वारा नए उद्योगों की स्थापना के लिए 50 से ज्यादा एम.ओ.यू. किए गए हैं, जिनके माध्यम से प्रदेश में लगभग 45 हजार करोड़ रुपए का पूंजी निवेश होगा।

सीएमडीसी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी कि वह खनिज आधारित उद्योगों को रॉ-मटेरियल की आपूर्ति लगातार कुशलता के साथ करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी ने हमें बहुत कुछ दिया है। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से परिपूर्ण है। अब हमारी जिम्मेदारी है की इस खनिज संपदा का लाभ प्रदेश के 2 करोड़ 80 लाख लोगों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने लौह अयस्क की आरीडोंगरी परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सीएमडीसी यह प्रयास करे कि यहां से निकलने वाले लौह अयस्क से पैलेट बनाने का काम हो, वेल्यु एडिशन से राज्य के राजस्व में वृद्धि हो। मुख्यमंत्री ने सीएमडीसी की नई परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने बैलाडीला के डिपॉजिट 4 और डिपाजिट 13 के कार्य में प्रगति लाने, नए कोल ब्लॉक हासिल करने के लिए प्रयास करने और टिन अयस्क के संग्रहण के नए क्षेत्रों की खोज का काम में तेजी लाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरगुजा क्षेत्र में एल्युमीनियम प्लांट के लिए एक एमओयू किया गया है, बहुत ही जल्द इसका कार्य शुरू होगा। बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में कोयला, लौह अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर, हीरा, यूरेनियम जैसे खनिज पाए जाते हैं। इस सम्पदा का सदुपयोग प्रदेश के विकास में किया जाना चाहिए।

बघेल ने कहा कि नई सरकार बनने के बाद डीएमएफ मद से खदान क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए। बस्तर क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए। पहले बस्तर के विधायक डॉक्टर और मास्टर की मांग करते थे, लेकिन अब ऐसी मांगे आना बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि सुकमा जिले में 13 वर्षों से बंद 105 स्कूल पुनः प्रारंभ किए गए, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के माध्यम से 13.87 प्रतिशत बच्चे कुपोषण से बाहर हुए, यह एक रिकॉर्ड है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हाट बाजार क्लीनिक जैसी योजनाएं प्रारंभ हुई, बस्तर इलाके में डॉक्टरों की नियुक्ति का कार्य किया गया आज जगदलपुर में 22 डॉक्टर हैं जबकि बीजापुर जैसे दूरस्थ जिले में 26 डॉक्टर काम कर रहे हैं। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का यह परिणाम रहा कि पिछले वर्ष 200 प्रतिशत बारिश के बाद भी बस्तर क्षेत्र में डायरिया या उल्टी-दस्त से एक भी मृत्यु का मामला सामने नहीं आया। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने जो खनिज सम्पदा दी है। उसे देखते हुए छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम में काम करने की काफी गुंजाईश है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खनिज विकास निगम प्रदेश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीएमडीसी छत्तीसगढ़ के विकास में खनिज संसाधनों का सदुपयोग करने का हरसंभव प्रयास करेगा। सीएमडीसी का यह प्रयास होगा कि खनिज आधारित उद्योगों को कच्चे माल की सुचारू आपूर्ति हो और उद्योगों में लोगों को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिले। उन्होंने कहा कि सीएमडीसी गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का सपना साकार करने के लिए राज्य सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करेगा।

राज्यपाल ने कराते खिलाड़ी हर्षा साहू का किया सम्मान

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से आज यहां राजभवन में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय कराते खिलाड़ी, शिएको काई कराते अकादमी श्रीमती हर्षा साहू ने सौजन्य मुलाकात की। राज्यपाल ने कहा कि आप बेटियों को जो आत्म रक्षा करने का प्रशिक्षण दे रही है वह सराहनीय है। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में बेटियों को अपनी आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अवश्य लेना चाहिए। इससे महिलाओं में एक आत्मविश्वास आएगा और असामाजिक तत्वों का मजबूती से सामना करेंगी। साथ ही उनके प्रति हो रही घटनाओं में भी कमी आएगी। इस अवसर पर राज्यपाल ने श्रीमती हर्षा साहू को शॉल व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया।

श्रीमती हर्षा ने बताया कि विगत वर्षों में उनके द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है। चलती ट्रेन व सूनसान जगह पर घटना होने पर असामाजिक तत्वों से कैसे निपटा जाए यह भी सिखाया गया है।

इंदिरा गांधी ने गरीबों, मजदूरों सहित समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए अपना जीवन अर्पित किया : विस अध्यक्ष

महंत ने विधान सभा परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। बैंको का राष्ट्रीयकरण, देश की एकता एवं अखण्डता तथा ''गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों'' से उन्होंने हमेशा गरीबों, मजदूरों और समाज के सभी वर्गो के विकास के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित किया। उक्त बातें विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास मंहत ने पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर विधान सभा परिसर स्थित सेन्ट्रल हॉल में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के तैलचित्र पर आज पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहीं।

डॉ. महंत ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश ही नहीं वरन् पूरी दुनिया पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। श्रीमती इंदिरा गांधी को उनके द्वारा लिए गए निर्भीक फैसलों और राजनीतिक दृढ़ता के लिए ''लौह महिला'' भी कहा जाता है। बैंको का राष्ट्रीयकरण, देश की एकता एवं अखण्डता तथा ''गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों'' से उन्होंने हमेशा गरीबों, मजदूरों और समाज के सभी वर्गो के विकास के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर आज उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सब उनके बताये मार्ग एवं सिद्धांतों का अनुसरण करें। इस अवसर पर विधान सभा के प्रमुख सचिव चन्द्र शेखर गंगराड़े एवं विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

नगर निगम ने पूर्व पीएम इंदिरा गाँधी को उनकी 103 वीं जयंती पर नमन किया

***रायपुर।** राजधानी शहर रायपुर में देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी को उनकी 103 वीं जयंती पर रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग ने ससम्मान नमन करने आयोजन रखा। इस संक्षिप्त एवं गरिमापूर्ण आयोजन में पहुँचकर राजधानी शहर के प्रथम नागरिक महापौर श्री एजाज ढेबर ने समस्त राजधानीवासियों की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी को सादर नमन करते हुए आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष आकाश तिवारी, जोन 5 अध्यक्ष श्री मन्नू विजेता यादव, जोन 9 अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा सहित नगर के अनेक गणमान्यजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी को उनकी 103 वीं जयन्ती पर नमन करते हुए कालीबाड़ी चौक स्थित प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की।*

आरोप केंद्री मौत मामला: परिवार के बीच संवेदना जताने भाजपा नेता पहुंचे, कहा

कर्ज, गरीबी, बेरोजगारी और स्मार्ट कार्ड से ईलाज नहीं होना बनी मौत की वजह

मृतक कमलेश ना शराब पीता था और ना ही मानसिक रोगी था-रमन

परिजनों के आंसू पोंछने कोई कांग्रेसी आ जाता तो क्या बिगड़ता-कौशिक

साहू परिवार की हत्या-आत्महत्या की होनी चाहिए न्यायिक जांच-सोनी

नव-प्रदेश संवादाता

रायपुर। राजधानी में ऐन दिवाली बाद अपनी बूढ़ी मां, पत्नी समेत दो मासूम बच्चों को कथित तौर पर मारकर खुद फांसी लगा लेने वाले कमलेश साहू के मामले में भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं ने गंभीर आरोप और सवाल उठाए हैं। आज गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह, नेताप्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, सांसद सुनील सोनी और पूर्व मंत्री-विधायक चंद्रशेखर साहू शोक संतप्त साहू परिवार से संवेदना जताने पहुंचे। परिवार से पूरी जानकारी और हत्याकांड के कथित संदिग्ध कमलेश साहू के संबंध में पूरी जानकारी ली। भाजपा का कहना है कि राज्य सरकार की नीतियों का लाभ और स्मार्ट कार्ड से ईलाज की सुविधा मिलती होती तो शायद वह ये कदम नहीं उठाता।

परिजनों से मुलाकात के बाद भाजपा नेताओं ने पूरे घटनाक्रम को रहस्यमय बताते हुए कई गंभीर आरोप सरकार और पुलिस पर भी लगाया। डॉ.रमन सिंह ने कहा कि परिवार को मौत के घाट उतारने और फिर आत्महत्या करने वाले कमलेश साहू ना तो शराबी था, ना ही मानसिक रोगी। परिजनों व जानकारी लेने के बाद पता चला कि वह आर्थिक तौर पर परेशान था। सभी को मारकर खुद फांसी पर लटक जाने की घटना की न्यायिक जांच के लायक बताते हुए भाजपा ने राज्य सरकार से मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की है।

मौत पर सवाल

- क्या आर्थिक तंगहाली से उठाया घातक कदम
- ईलाज के लिए स्मार्ट कार्ड का लाभ नहीं मिला
- सुसाईड नोट पुलिस परिजनों से क्यों छुपा रही है
- नशेड़ी, मानसिक रोगी नहीं था तो क्यों किया हत्या
- पुलिस के अलावा न्यायिक जांच के बाद खुलेगा राज

छत्तीसगढ़िया किसी गाय पर भी डंडा नहीं चलाता : रमन

रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़िया किसी गाय पर डंडा नहीं चलाता है वह अपनी सगी मां, धर्मपत्नी और दो-दो मासूमों की जान कैसे ले सकता है। इतना बड़ा कदम उठाने के लिए यही बात सामने आ रही है कि बुजुर्ग मां के ईलाज, पत्नी-बच्चों की परवरिश और घर में आर्थिक तंगी से वह बेजार हो गया था। भाजपा का यह भी आरोप है कि परिजनों को सुसाईड नोट भी पुलिस ने दूर से ही दिखाई है। पूरे मामले में कमलेश साहू का सुसाईड नोट भी पुलिस सार्वजनिक नहीं की है जिसमें आर्थिक और बीमारी का भी जिक्र किया गया है। इससे साफ हो जाता है कि कांग्रेस राज में रोजगार, चिकित्सा और आर्थिक तंगहाली ही खुशहाल साहू परिवार की मौत की वजह है।

भाजपा के प्रश्न पर सीएम भूपेश का प्रति-प्रश्न

रमन सिंह 15 साल सीएम रहे, कितने मामले में परिजनों से मिले?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्री में हुए साहू परिवार के मौत मामले में भाजपा की सियासत और उसके सवालों पर पलटवार किया है। भाजपा नेताओं के बयान पर तल्ख अंदाज में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल किया है कि वे 15 साल मुख्यमंत्री रहे उस वक्त कितनी हत्या-आत्महत्या के मामलों में परिजनों के घर गए संवेदना जताने। अब जब कुछ काम नहीं है तो वे केंद्री जाकर मौत पर सियासत करने की कोशीश कर रहे हैं। सीएम श्री बघेल ने कहा जो वारदात हुई वह दुखद है, लेकिन विपक्षी इसे राजनैतिक रंग दे रहे हैं। जबकि गृहमंत्री ने पुलिस से इस मामले में गहराई से जांच-पड़ताल के तत्काल आदेश दे दिये थे।

सियासत नहीं वे संवेदनहीन

भाजपा नेताओं के साहू परिवार से मिलने के बाद लगे सियासत करने के आरोप पर रमन सिंह ने पलटवार किया और कहा हम सियासत कर रहे हैं तो कांग्रेसी मंत्री, विधायक क्यों संवेदना जताने नहीं पहुंचे? घटना के तीसरे दिन भी कांग्रेस का कोई प्रभारी मंत्री तो दूर, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री यहां तक की विधायक भी शोक संतप्त परिवार के पास दो शब्द बोलने नहीं पहुंचा। अब हमपर वो सियासत का आरोप लगाते हैं तो हम उन्हें संवेदनहीन ही कहेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

हथियारों से लदे ट्रक

और अर्द्धसैनिक बलों को तैनात किया गया था। सुबह करीब पांच बजे बान टोल प्लाजा के नजदीक एक ट्रक को रोका गया। ट्रक के रूकने के बाद चालक वहां से भाग निकला। तलाशी के दौरान ट्रक में छुपे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी और तीन घंटे तक मुठभेड़ चली। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गये । ट्रक से 11 एके-47 राइफल तथा 29 ग्रेनेड समेत काफी संख्या में अन्य हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया। मुठभेड़ में एसओजी के दो कर्मी घायल हो गये , जिनकी पहचान कुलदीप राज (अखनूर) और मोहम्मद इशाक मलिक (नील कासिम बनिहाल , रामबन) के रूप में की गयी है।

प्रदेश में निर्भीक, निडर

देगी और उसका प्रचार-प्रसार करेंगी। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश अब पर्यटन के लिये पूरी तरीके से खुला है। बिना किसी रूकावट के कोई भी पर्यटक प्रदेश में कही भी आ सकते है उनकी सुरक्षा का दायित्व प्रदेश सरकार ने लिया है। स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतर चैन पूरे प्रदेश में चारों ओर बिछायी गई है, जिससे किसी को कोई असुविधा न हों। यह संदेश महिला बाइकर्स द्वारा अपने भ्रमण के दौरान दिया जाएगा।

कोरोना विस्फोट: भोपाल में

डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि इसे तीसरी तो नहीं कह सकते, लेकिन दूसरी लहर मान सकते हैं। वजह है कि लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर रहे हैं और न ही चेहरे पर मास्क लगा रहे हैं। लोगों को इसके लिए जागरूक और सतर्क रहना होगा। फिलहाल मास्क ही वैक्सीन है और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी है, तभी संक्रमण पर रोक लगाई जा सकती है।

मरीजों को फल वितरण कर मनाया बेटे का जन्मदिन

तेंदूखेड़ा। (नव प्रदेश)

आजकल के दौर में लोगबाग जन्मदिनों को -रु39यादी की सालगिरहों को तरह तरह की गतिविधियों को अंजाम देकर मनाने लगे है। लेकिन तेंदूखेड़ा में एक छोटे से बालक का जन्मदिन पीड़ित वर्ग की सेवा के साथ मरीजों को फ्लों का वितरण कर उन्हें -रु39यीघ्र स्वास्थ्य होने की कांमना के साथ मनाया गया। पत्रकार नितिन राय ने अपने बेटे अभिराज का छटवां जन्मदिन कुछ इसी अंदाज मनाया। मरीजों को जहां फ्लों का वितरण किया गया, वहीं अस्पताल में पलंग तो है लेकिन उनमें तकियों की व्यवस्था न होने की स्थिति में उनके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 50 से अधिक तकिये उपलब्ध कराये गये।

» विगत दिनों भी अपने गृह ग्राम मदनपुर में गरीबों को कम्बलों का वितरण करने के साथ- साथ मुफ्त राशन भी बांटा गया था। इस पहल की सभी वर्गों द्वारा सराहना करते हए अभिराज के यशस्वी एवं दीर्घायू जीवन की मंगल कांमनाएं की गई है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार किशोर राय दिनेश जैन बलराम नामदेव टिंकू अग्रवाल मिथलेश पटैल राजेश पटैल अंकित साहू नीतेश अग्रवाल पतिराम पटैल

आलोक पांडे योगी नायक धर्मेंद्र साहू आकाश दुवे विपिन पटैल के साथ साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉ. कर्मचारी स्टॉफ बड़ी संख्या में उपस्थित थे ।

पत्रकार नितिन राय द्वारा फल मरीजों को वितरित किय गये

तेंदूखेडा। में सामुदायिक स्वास्थ केन्द में पत्रकार नितिन राय ने अपने पुत्र के छटवें जन्मदिवस के अवसर पर मरीजों को फल और तकिया कवर सहित वितरित किए प्रतिवर्ष जन्मदिवस के अवसर समाजसेवा के कार्य किए जाते और गरीबों के बीच जाकर फल कपडे पूर्व में मदनपुर में भी वितरित किए गय थे इस अवसर स्वास्थ केन्द प्रभारी डाँ हरेकृष्ण मिश्रा , डाँ मांया ओनकर एवं पत्रकार परिषद के प्रदेश महासचिव किशोर राय , वरिष्ट पत्रकार टिंकू अग्रवाल , आकाश दुबे , आदित्य नायक , विपिन पटेल , अंकित साहू , धर्मेंद साहू उपस्थित थे।

इंदिरा जी का किया गया पुण्य स्मरण

तेंदूखेड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जन्म जयंती तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा में ब्लाक कांग्रेज़स कमेटी के तत्वाधान में आयोजित की गई। जिसमें कांग्रेस पार्टी के सभी संगठनों के युवा कांग्रेस एन.एस.यू.आई. आई.टी. सेल किसान कांग्रेस महिला कांग्रेस सेवा दल मंडलम सेक्टर सहित कायज़्कताज़् बड़ी संख्या में उपस्थित हुये। जिन्होंने इंदिरा जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए इंदिरा जी के जीवन चरित्र पर काफी विस्तार से विचार रखे। एवं दुनिया में भारत की अपनी एक अलग पहचान बनाने के रूप में श्रीमति गांधी को लोह महिला का नाम दिया।

तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द में नसबंदी आपरेशन के लिए महिलाओं ने 30 घंटे किया डाक्टर का इंतजार

तेंदूखेडा(नव प्रदेश)

सामुदायिक स्वास्थ केन्द में नसबंदी आपरेशन शिविर लग रहे जिसमें तेंदूखेडा के समीप अनेक ग्रामीण क्षेत्रों से महिलाएं आपरेशान के मंगलवार को करहैया बिजौरा ग्वारी सहित अनेक ग्रामों से महिलाएं आई जिनकों मंगलवार को नसबंदी होने की जानकारी मिली महिलाएं सुबह 9 बजे सामुदायिक स्वास्थ केन्द पहुची और रात्रि 8 बजे तक डाक्टर का इंतजार किया लेकिन डाक्टर नहीं आए कुछ महिलाएं 15 से 20 किलोमीटर दूरी तय कर अपने गाव वापिस लौटी और बुधवार को सुबह फिर दूरी तय कर स्वास्थ केन्द आइ मनोरमा पटेल ने बताया हम बिजौरा से आए और कल के यही रूके यहां किसी प्रकार की कोइ व्यवस्था खाने पीने के लिए भी परेशानियों का सामना लेकिन डाक्टर नहीं आए अंजू शर्मा ने बताया यह भी ग्वारी से छोटे बच्चों को लेकर आइ जिनकों अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पडा 30 घंटे इंतजार करने के बाद 3 बजे डाक्टर तेंदूखेडा पहुचे और नसबंदी आपरेशन किया महिलाओं द्वारा बताया गया कि अत्यधिक परेशानियों का सामना करना एवं स्वास्थ केन्द के डाक्टरो द्वारा भी सही जानकारी नही गयी।

जिससे महिलाओं और परिजनों को परेशानियों का सामना करना पडा सामुदायिक स्वास्थ केन्द में लंबे समय से लापरवाही पूर्ण कार्य चल रहे हैं मुझे शाम को 7 बजे डाक्टर नहीं आने की जानकारी प्राप्त हुई कि उनका स्वास्थ खराब वह करेली से नरसिंहपुर वापिस लौट गय आज तीन बजे वह आए और 10 महिलाओं के नसबंदी आपरेशन किए गय हरेकृष्ण मिश्रा स्वास्थ केन्द प्रभारी तेंदूखेडा

मिष्ठान दुकानों का किया औचक निरीक्षण

नरसिंहपुर ।(नव प्रदेश)

कलेक्टर श्री वेद प्रकाश के निर्देशन में जिले में मिलावट से मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इन्ही निर्देशों के परिपालन में एसडीएम आर एस राजपूत गाडरवारा के द्वारा गठित जांच दल ने बुधवार को नगर का औचक निरीक्षण कर कार्यवाही की है। दल द्वारा कुल 11 दुकानों का निरीक्षण कर 7 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आर एस राजपूत जी जहां गलत पाया जाता है वहां कार्रवाई करने में पीछे नहीं हटते बता दें कि गाडावारा आने से पूर्व तेंदूखेड़ा में आर एस राजपूत लगभग ढाई साल रहे तेंदूखेड़ा में भी इस तरह की कार्रवाई करते रहते थे दल द्वारा गाडरवारा स्टेशन, पलोटनगंज, पानी की टंकी के पास स्थित सभी जलपान गृह एवं होटलों तथा मिष्ठान विक्रय दुकानों का निरीक्षण किया गया।

सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान कुल 4 नमूने लिए गए

» निरीक्षण के दौरान पलोटनगंज स्थित बाहुवली मिष्ठान भंडार पर दूषित 4 किलो ग्राम मोके पर विनष्ट कराकर बर्फी का नमूना लिया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान कुल 4 नमूने लिए गए, जो जांच वास्ते खाद्य प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। यह कार्यवाही सतत जारी रहेगी। इस दौरान तहसीलदार श्री राजेश मरावी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री अमित गुप्ता एवं श्रीमती सारिका दुबे, अन्य अधिकारी और नगरपालिका की टीम मौजूद थी।

शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचे विधायक

तेंदूखेड़ा ।(नव प्रदेश)

तेंदूखेड़ा सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में शोक संतृत्व परिवारों में तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक संजय शर्मा ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी संबेदनाएं व्यक्त की। इस मौके पर महेंद्र तिजोड़ी वाले अजय गुप्ता कमले पुजारी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

48 कार्मिकों को दिया उच्च वेतनमान का लाभ

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा कंपनी में कार्यरत कार्मिक गणों को उनके द्वारा प्रस्तुत किए उच्च वेतनमान के 30 वर्षीय तृतीय विकल्प नियम के अनुसार उच्च वेतनमान स्वीकृत किया गया है। उच्च वेतनमान का लाभ प्राप्त करने वाले कामिज़्क गण हैं. सवज़्श्री रामचंद्र दसोरेए राम सिंह वमाज़्ए सुरेन्द्र प्रसाद सूत्रकारए विजय कुमार वासनिकए कमलेश टंकए छतन सिंह सनोडियाए संतोष कुमार जैनए मनोज कुमार भोलाए सजंय कुमार श्रीवास्तवए किशोर कुमार यादवए रमेश चंद्र बघेलए रामानुज प्रताप सिंहए राकेश कुमार मिश्राए शरद कुमार शमाज़्ए रमेश कुमार वासुकेज़्ए गंगाराम गिरेपुंजेए शेख मनसूरए रनवीर सिंहए मुकेश कुमार कनोजियाए राजेश कुमार गुप्ताए गंगाविष्णु उपाध्यायए सजंय कुमार फाल्केए संतोष कुमार विश्वकमाज़्ए सीताशरण पटेलए शिवचरण गुप्ताए पुरूषोत्तम लाल कोष्ठाए गोकुल प्रसाद कुशवाहाए हेमन्त पाठकए रावेन्द्र कुमार तिवारीए महेश कुमार पटेलए बृजमोहन सेनए सुदामा प्रसाद विश्वकमाज़्ए राजेन्द्र शमाज़्ए कृष्णकांत सेनए अशोक कुमार बाथरीए कमल सिंह राजपूतए अनिल नारायण पारधीए सुनिल कुमार राठौरए मणिशं?कर पाठकए अजय पटेलए बाबा कण्डालकरए जगदीश प्रसाद नागर, प्रहलाद कुमार सेनए शोभनाथ जैसवारए कैलाश कुमार अवस्थी हरिशंकर लोधीए जय नारायण और महेश मेहता है।

शुगर मिल प्रारंभ होते ही गन्ना कृषक हुए सक्रिय

तेंदूखेड़ा ।(नव प्रदेश)

तेंदूखेड़ा क्षेत्र में गत दिवस दोज पर्व पर शुगर मिल प्रारंभ होते ही क्षेत्र के गन्ना कटाई में सक्रीय हो गये है। मिल में प्रतिदिन 10 से 12 हजार प्रति क्विंटल गन्ना पहुंचने लगा है। शुरूआती दौर में 285 रुपये प्रति क्विंटल का रेट तय हुआ है। हमारे प्रतिनिधि को मिल के प्रबंधक सेन ने बताया कि 25 लाख क्विंटल से अधिक गन्ना खरीदे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसानों को किसी भी किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अलग अलग यार्ड बनाये गये

है। सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सभी किसानों को पूर्व में ही अवगत करा दिया गया है। शुभारंभ अवसर पर पहुंचे कृषक के लिए साल श्रीफ्ल से सम्मानित करते हुए उनका गन्ना तौलकर मिल प्रारंभ की गई। गौरतलब रहे कि तेंदूखेड़ा नर्मदा उत्तराखंड के लिए यह शुगरमिल गन्ना के लिए बरदान साबित हुई है। इससे गन्ना का रकवा भी है। यहां के कृषक को जो बाहन भाड़ा और अन्य खचों की समय की बर्बादी हुआ करती थी उससे भी निजात मिला है। साथ ही क्षेत्र के युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्राप्त

सड़कों पर प्रतिदिन हो रहे हादसे सुरक्षा के नहीं है प्रबंध

तेंदूखेड़ा ।(नव प्रदेश)

इन दिनों रा-ुनवजयट्रीय राजमार्ग क्र. 12 का निर्माण कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। जहां तहां से पुलियों एवं पुलों के आजू बाजू से सड़क मार्ग खोदकर डाल दिये गये है गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री पड़े होने के कारण धूल के गुबारों के बीच निकलने वाले भारी वाहनों में क्रासिंग के चलते छोटे वाहन चालक गिरकर जख्मी हो रहे है। और आये दिन इन सड़क मार्गो पर खून से सनी हुई सड़कें दिखाई दे रही है। असमय लोग काल के गाल में समा रहे है। न तो संकेतक की व्यवस्था की गई है और न ही सुरक्षा के कोइ प्रबंध किये गये है। निर्माण ऐजेंसी के वाहन स्वयं क्षमता से अधिक सामग्री लेकर अवाद गति से दौड़ते हुए मुख्य मार्गो पर बे-हजय-हजयक दौड़ते नजर आ रहे है। इन पर किसी भी प्रकार की कोई रोक नहीं लगाई जा रही है। यदि समय रहते इन विसंगतियों पर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी भी भी-ुनवजयाण दुघर्टना या हादसा घटित होने से इंकार नहीं किया जा सकता। हमारे प्रतिनिधि को पीड़ित वर्ग द्वारा बताया गया कि सड़कों पर बड़े बड़े ग-सजय्डे खोदकर डाल दिये जाने की स्थिति में जब बार बार छोटे वाहन चालक गिरकर घायल और चोटिल हो रहे थे ऐसी स्थिति में स्वयं ग्राम के लोगों ने मजबूर होकर उक्त ग-सजय्डों को भरना ही उचित

राशन वितरण प्रणाली व्यवस्था पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

तेंदूखेड़ा ।(नव प्रदेश)

इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र की शासकीय राशन वितरण प्रणाली भगवान भरोसे चल रही है। वरिष्ठ अधिकारियों और समिति प्रबंधकों सेल्समेंनों के बीच इतना शानदार तालमेल बना हुआ है कि इनकी शिकायत यदि कहीं की जाती है तो कोई सुनने को तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री कल्याण योजना के माध्यम से गरीबों के लिए भेजे जाने वाला निःशुल्क राशन डकारकर खुलेआम बाजार में बेचा जा रहा है। जबकि मासिक राशन बाकायदा बॉयों मेट्रिक मशीनों के माध्यम बांटे जाने की कही जाती है। और जब गोलमाल करना होता है तो इस मशीन में अगूठा या अन्य अंगुली के निशान न आने मैच न खाने की स्थिति में काडज़् के माध्यम से ही खाना पूतिज़् करके निपटा दिया जाता है। निःशुल्क राशन न बटने की जब शिकायतें और जानकारियां सामने आती है तो उस दिशा में राशन कम आने उठाव न होने जैसे विभिन्न प्रकार की बहाने बाजियां क्षेत्र में चचिज़्त हो चुकी है। वेयरहाउस से भी सामग्री भलिभांति उठाई जा रही है। इसके बाबजूद भी समय पर राशन न बट पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। सबसे बड़ा विषय और विडम्बना यह बनी हुई है कि जिले के वरिष्ठ अधिकारियों तक लगातार जानकारियां पहुंचने के बाबजूद भी जाच टीम गठित करने जाच करने की बात कहकर केवल कोरे आश्वासन देकर आठ-आठ दिनों तक मौके पर न पहुंचकर गरीबों का निवाला खाने वालो को खुली छूट दी जा रही है। इन आठ दिनों में यह गोलमाल पूरा साक्ष्य मिटाने की दृष्टि से इनका एक हथियार बन गया है। गरीब हितग्राहियों द्वारा जब मौके पर यह विषय सामने रखे जाते है तो या तो उन्हें बाद में राशन भेजकर चुप करा दिया जाता है या फिर अगले माह से राशन न दिये जाने की बात कहकर धमका दिया जाता है। बेचारे गरीब मजबूरीवश बाद में हां में हां भी मिलाते देखे सुने जा रहे है। काफी लम्बे समय से सेल्समेनों की नियुक्तियां न होने के

बाबजूद भी सैकड़ो की सख्या में नए नए सेल्समेंन लखपति बन गये है। जो गरीबों का निवाला छीनकर आलीशान बंगले बनाकर दूसरों को अब धमकाने भी लगे है। राशन वितरण प्रणाली की व्यवस्था को लेकर जब खाद्य निरीक्षक महोदय को इन विषयों की जानकारी दी जाती है तब तब जांच का आश्वासन देकर गोलमाल जबाब देते हुए बचते हुए नजर आते है। जिलाधीश महोदय से प्रभावित हितग्राहियों ने अपेक्षा व्यक्त की है कि शीघ्र ही तेंदूखेड़ा क्षेत्र की सोसाईटियों का औचक निरीक्षण कराते हुए जमीनी हकीकत स्टॉक और वितरण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए दोषियों पर दंडात्मक कायज़्वाही की जावे। साथ ही यह भी निधाज़्रत कराया जाये कि जिस गंदगी को भगाने संपूणज़् भारत वषज़् में स्वच्छता अभियान चलाये जा रहे है और गंदगी के अंबार के बीच गरीबों का निवाला जो स्वयं वो खाते है इस स्थिति में न रखा जावे।

आपके द्वारा यह मामला मेरे संज्ञान में लाया जा रहा है। संबंधित विभाग के अधिकारी जानकारी होने के बाबजूद भी निरीक्षण भी नहीं कर पा रहे है। निश्चित तौर पर गरीबों के निवाले से जुड़ा हुआ मामला है। हमारे संज्ञान में लाया गया है। इसकी विधिवत् जांच कराते हुए वरिष्ठ अधिकारियों तक जानकारी भेजकर दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com